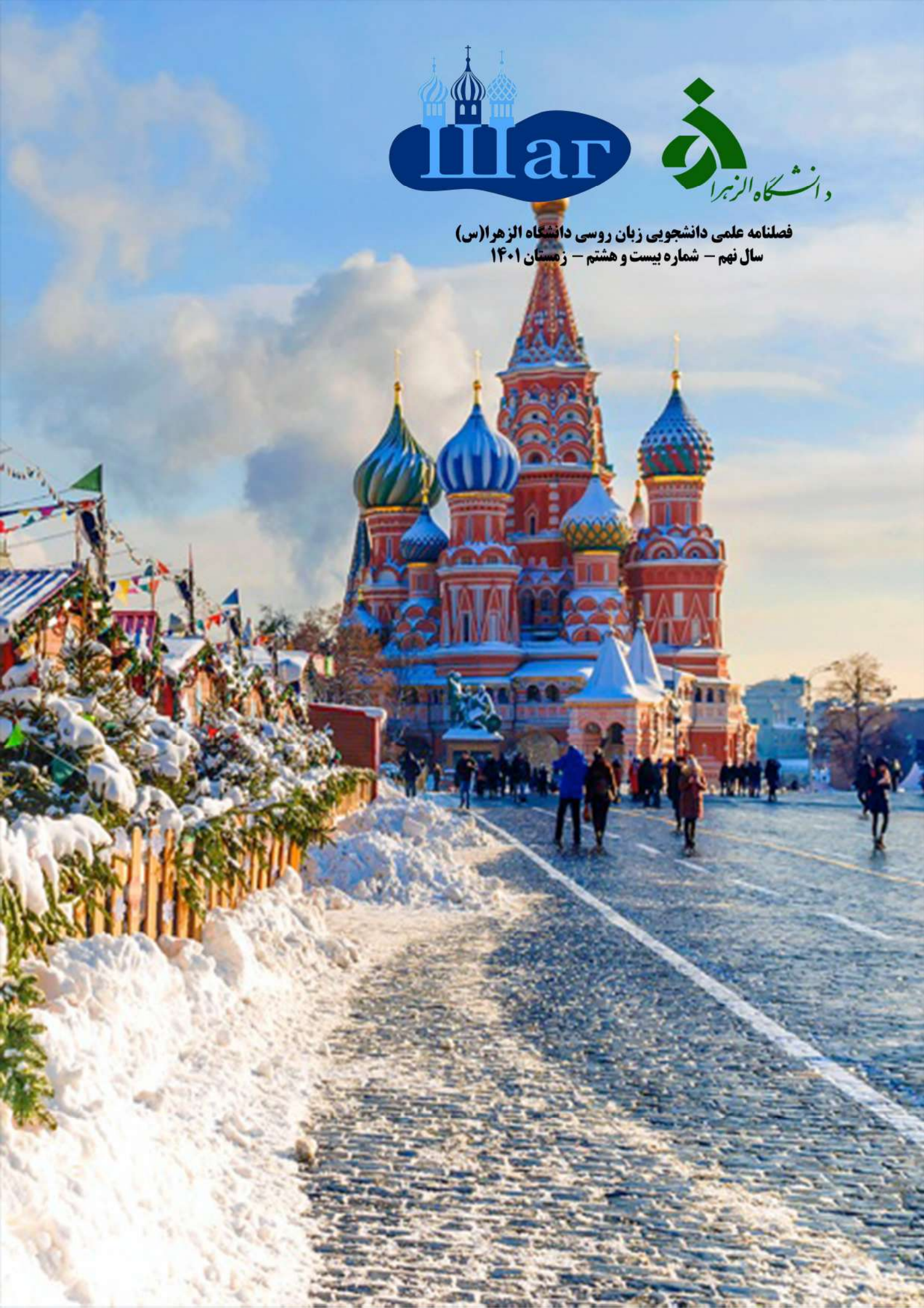

فصلنامه علمی دانشجویی زبان روسی دانشگاه الزهرا(س)
سال نهم – شماره بیست و هشتم – زمستان ۱۴۰۱

فصلنامه علمی دانشجویی زبان روسی دانشگاه الزهرا(س)
سال نهم، شماره بیست و هشتم، زمستان ۱۴۰۱
صاحب امتیاز : انجمن علمی دانشجویی زبان روسی دانشگاه الزهرا(س)

استاد راهنما: دکتر وجیهه رضوانی
مدیر مسئول: مهرنوش فیروزی
سردبیر: حنانه قلیزاده
صفحه آرا : فاطمه جعفری
هیئت تحریریه: زهرا صناعی -عارفه سادات باقری- محیا کاوند-فاطمه صناعی -حنانه قلیزاده-قاسم محمدی - لیلا رجبعلی- زهرا مقدم

فهرست

Содержание

مهره های شطرنج	۱
Шахматние фигуры	
داستان تنهاترین نهنگ جهان	۶
История самого одинокого кита на свете	
تاریخچه تدریس زبان روسی در جهان	۱۰
История преподавания русского языка в мире	
روز جهانی پنکیک	۱۴
международный день блинов	
روز تاتیانا	۱۷
Татья́нин день	
پنج نقاش برتر امپرسیونیسم روسی	۱۹
Русский импрессионизм: 5 выдающихся художников	
نبرد استالینگراد	۲۷
Сталинградская битва	
معانی گنبد های کلیساهای ارتودوکس	۲۹
Что означают купола православных церквей	
به مناسبت روز جهانی سپاسگزاری	۳۶
Каждый день - это день благодарности	
تیم 2023 : تمامی قرارداد ها امضا شده اند	۴۱
Составы команд 2023: Все контракты подписаны!	
خرس قطبی	۴۵
белый медведь	
روز جهانی نوتلا	۴۷
Всемирный день Нутеллы	

چاپ : چاپخانه دانشگاه الزهرا (س) - آدرس: میدان ونک ،ده ونک ،دانشگاه الزهرا (س) ،اداره کل امور فرهنگی
تلفن : ۸۸۰۴۱۳۴۳ - ۰۲۱ - کانال نشریه : @stepmagazine - ایمیل : gmail.com@Stepmagazine2015

Шахматние фигуры

В шахматах существует шесть разных (видов или наименований) фигур — король, ферзь, ладья, слон, конь и пешка. В шахматы играют два соперника: один играет белыми фигурами, другой — чёрными. У каждого игрока 16 фигур — один король, один ферзь, две ладьи, два слона, два коня и восемь пешек. Каждая из этих фигур ходит по шахматной доске.

Король

Самая ценная фигура, поскольку неустранимая угроза взятия (эта ситуация называется «мат») означает проигрыш партии. Ходит на одно поле по вертикали, горизонтали или диагонали, но не может ходить на поле, находящееся под ударом другой фигуры (ходить под шах). Кроме того, может участвовать в рокировке. В комплекте шахматных фигур король самая высокая фигура, одна из двух самых высоких фигур (вторая — ферзь).

Ферзь

Самая сильная фигура, поскольку ходит на любое число полей по вертикали, горизонтали или диагонали — соединяет в себе ходы ладьи и слона. В современной шахматной теории ферзь является «тяжёлой фигурой» (наряду с ладьёй). Внешний вид фигуры в традиционных «стаунтоновских» шахматах аналогичен королю, но фигура увенчана небольшим шариком и, в отличие от короля, несколько ниже (король выше ферзя и увенчан крестом). Второе, просторечное название ферзя — «королева».

Ладья

Ходит на любое число полей по вертикали или горизонтали. Может участвовать в рокировке. В начале партии у каждого игрока по две ладьи, расположенные на крайних полях первой или восьмой горизонталей — белые ладьи на a1 и h1, чёрные на a8 и h8. Как и ферзь, классифицируется теорией как «тяжёлая фигура». Фигура обычно имеет вид стилизованной круглой крепостной (или осадной) башни (что соответствует европейскому её названию, — «тура» — с разных языков переводящимся именно как «крепостная башня»). В старых русских шахматных комплектах имела вид стилизованного корабля (ладьи). По некоторым предположениям, различные

наименования данной фигуры связаны с её первоначальным названием и видом. В чатуранге она называлась «колесница», то есть «ратх». В арабском шатрандже название превратилось в «Рух» (имелась в виду Птица Рух). Её стилизованные изображения, по предположениям шахматных историков, на Руси были приняты за изображения визуально похожей русской ладьи, от чего и произошло русское название фигуры. В Европе же изображение фигуры было связано с названием, созвучным с «rook» (утёс, башня), в результате соответствующая европейская шахматная фигура стала изображаться в виде крепостной башни. Другое название ладьи — «тура».

Слон

Ходит на любое число полей по диагонали. В чатуранге и шатрандже ходил через одно поле по диагонали, являясь, как и конь, «прыгающей» фигурой (при ходе перешагивал через свои и чужие фигуры, стоящие на пути). Из-за особенностей раскраски шахматной доски слон перемещается только по полям одного цвета. В зависимости от цвета полей диагоналей, по которым ходит эта фигура, слон называется белопольным или чернопольным. В начале игры у каждого игрока имеется два слона — белопольный и чернопольный, белые c1 и f1, чёрные c8 и f8. Относится к классу «лёгких фигур» (вместе с конём). В шахматном комплекте слон по высоте обычно ниже короля и ферзя. Его верхняя часть имеет вид капли (или капюшона) с заострением вверх, представляет собой стилизацию одеяния католических и англиканских епископов (английское название слона — «bishop», т.е. «епископ»). Ещё фигуру слона называли «офицер» (болгарское название, очень популярное в шахматном жаргоне), «стрелок», «гонец» и пр.

Конь

Может пойти на одно из полей, ближайших к тому, на котором он стоит, но не на той же самой горизонтали, вертикали или диагонали, то есть он ходит русской буквой «Г» (или латинской «L»). Всегда попадает на поле противоположного цвета. Одна из трёх фигур (наряду с королём и ладьёй), ход которых не изменился со времён чатуранги. В начале партии у каждого игрока два коня, расположенные рядом с ладьями — белые кони b1 и g1, чёрные b8 и g8. Относится к «лёгким фигурам». В шахматном комплекте имеет вид конской головы на круглой подставке.

Пешка

Ходит на одно поле по вертикали вперёд. Из исходного положения может также сделать первый ход на два поля вперёд. Бьёт на одно поле по диагонали

вперёд. При выполнении хода на два поля может быть следующим ходом взята на проходе пешкой противника. Единственная фигура в шахматах, у которой обычный ход и ход со взятием различаются. Если в процессе игры пешка достигает последней горизонтали, она превращается в любую фигуру по желанию игрока, кроме короля. Как правило, пешка превращается в самую сильную фигуру — ферзя, однако существуют исключения. В начале игры у каждого игрока по восемь пешек, которые расположены на второй от игрока горизонтали, прикрывая фигуры. Фигура самая маленькая из всех в комплекте. Несмотря на слабость, пешки очень важны в шахматной партии, так как зачастую составляют основу оборонительной структуры игрока, являясь и «наполнителем» поля, и «пушечным мясом». В эндшпиле роль пешек многократно возрастает, обычно за счёт потенциальной способности достичь последней горизонтали и превратиться в сильную фигуру.

https://ru.m.wikipedia.org/wiki/Шахматные_фигуры

مهره های شطرنج

در شطرنج ٦ مهره متفاوت وجود دارد- شاه، وزیر، رخ ، فیل، اسب و پیاده. در شطرنج دو حریف با یکدیگر رقابت می کنند: یکی با مهره های سفید و دیگری با مهره های سیاه. هر بازیکن ١٦ مهره دارد-یک شاه، یک وزیر، دو اسب، دو فیل، دو رخ و هشت پیاده. هر کدام از این مهره ها در صفحه شطرنج حرکت می کند.

توصیف مهره ها
شاه

شاه با ارزش ترین مهره شطرنج است از آن جهت که کیش غیر قابل رفع به او منجر به مات و باخت بازی می‌شود. مهره شاه به صورت تک حرکتی می تواند عمودی افقی و یا کج حرکت کند. اما نمی تواند در خانه اشغال شده حرکت کند. به جز این، می تواند در حرکت قلعه شرکت کند. در مجموعه مهره های شطرنج، شاه یکی از دو مهره مرتفع است.(دومین مهره مرتفع وزیر است)

وزیر

قوی ترین مهره شطرنج است از آن جهت که می تواند به تعداد دلخواه حرکت عمودی، افقی و کج داشته باشد و در خود حرکت های رخ و فیل را یکجا داراست. در تئوری شطرنج مدرن، وزیر «سوار سنگین» (در کنار رخ) است. ظاهر مهره در شطرنج های استانتون شبیه مهره شاه است، اما مهره وزیر یک تاج کوچک بر سر دارد و در تمایز با شاه، کمی کوتاه تر است (شاه بلند تر از وزیر است و صلیبی بر سر دارد). دومین نام مهره وزیر «ملکه» است.

رخ

می تواند بصورت عمودی یا افقی در هر خانه ای حرکت کند. میتواند در حرکت قلعه شرکت کند. در ابتدای بازی هر بازیکن ٢ رخ دارد که در گوشه های صفحه در ستونهای اول یا هشتم قرار دارند. (رخ های سفید در خانه های a١ و h١، رخ های های سیاه در a٨ و h٨). رخ مانند وزیر جزو تئوری سوار سنگین محسوب می‌شود. مهره معمولا دارای ظاهری به شکل برج قلعه یا دژی دایره ای است (که مرتبط با نام گذاری اروپایی آن «تور» که در زبان‌های مختلف دقیقا به صورت «برج قلعه» می باشد، ترجمه میشود.)

در مجموعه شطرنج های قدیمی روسی دارای ظاهری به شکل کشتی بوده است. بر اساس چندی از نظریات، نام گذاری مختلف این مهره مرتبط با نام گذاری و شکل اولیه آن بوده است. در چتورنگا به صورت <<ارابه>>، یعنی <<راتخ >> نامگذاری می شده است. در شطرنج عربی نام گذاری او به <<روخ>> تبدیل شد (به معنای پرنده روخ). شکل ظاهری مهره بر اساس نظریات تاریخ دانان شطرنج، در روسیه باستان برگرفته از شکل ظاهری کشتی های روسیه باستان است، که نام گذاری مهره نیز به این دلیل بوده است.

در اروپا نیز شکل ظاهری مهره با نام گذاری او مرتبط بوده است، هم آهنگ با rook (صخره،برج)، در نتیجه شکل ظاهری این مهره در شطرنج اروپایی به شکل یک برج قلعه نمایان شد. اسم دیگر رخ-تور است.

فیل

می تواند به تعداد دلخواه حرکت کج داشته باشد. در چتورنگا و شطرنج، کج حرکت می کرده و به مانند اسب از روی مهره ها می پریده است (در حرکت، از روی مهره های خودی وحریف که بر سر راه قرار داشته اند می پریده است.)
بدلیل رنگ بندی صفحه شطرنج، فیل فقط در خانه های یک رنگ حرکت میکند. بر اساس رنگ خانه های کج، که فیل از طریق آن ها حرکت می کند، فیل به صورت فیل سیاه و فیل سفید نامگذاری می شود. در ابتدای بازی، هر بازیکن دارای دو فیل است- فیل سیاه، فیل سفید، فیل های سفید در خانه های c۱ و f۱، فیل های سیاه در خانه های c۸ و f۸. جزو دسته سوار سبک (در کنار اسب) محسوب می شوند. در مجموعه شطرنج فیل از نظر ارتفاع از شاه و وزیر کوتاه تر است. قسمت بالایی مهره فیل حالت قطره یا کلاهی با تیزی در بالا را داراست، به شکل لباس اسقف های کاتولیک و انگلیسی(نام گذاری انگلیسی فیل - bishop، به معنای «اسقف» است.)

اسب

می تواند در یکی از خانه ها که نزدیکترین به خانه ای است که در آن ایستاده است نه به صورت عمودی نه افقی و نه کج بلکه بصورت حرف Γ در روسی (یا L در لاتین) حرکت کند. همیشه در خانه رنگ مخالف قرار دارد. یکی از ۳ مهره (در کنار شاه و رخ) است که از زمان چتورنگا، حرکتشان تغییر نکرده است. در ابتدای بازی، هر بازیکن ۲ اسب دارد که در کنار رخ ها (اسب های سفید در خانه های b۱ و g۱، اسب های سیاه در خانه های b۸ و g۸) قرار گرفته اند. جزو سوار سبک محسوب میشوند. در مجموعه شطرنج دارای شکلی به حالت سر اسب ایستاده است.

پیاده

دارای حرکت تک خانه ای به صورت عمودی می باشد. از جایگاه نخست خود در بازی می تواند ۲ خانه حرکت کند. می تواند به صورت کج، مهره حریف را بزند. اگر دو خانه حرکت کند، در حرکت بعدی می تواند در برابر سرباز حریف تکنیک آن پاسان انجام دهد. تنها مهره شطرنج است که حرکت معمولی و حرکت حمله ای متفاوتی دارد. اگر در پروسه بازی، پیاده به آخرین عرض برسد می تواند به هر مهره ای که بازیکن بخواهد (به جز شاه) تبدیل شود. بر طبق معمول، پیاده به قوی ترین مهره(وزیر) تبدیل می شود. البته که استثنا وجود دارد. در ابتدای بازی هر بازیکن ۸ پیاده دارد که در عرض دوم از هر بازیکن، جلوی سایر مهره ها، قرار گرفته اند. در مجموعه شطرنج، کوچک ترین مهره محسوب می شود. بر خلاف ضعف این مهره، پیاده ها در بازی شطرنج بسیار حائز اهمیت هستند هم قسمتی از بنیان ساختار دفاعی بازیکن هستند هم پر کننده خانه های صفحه هستند و هم قربانی محسوب می شوند. در اندشپیل (انتهای بازی) نقش پیاده به مراتب افزایش میابد از آن نظر که امکان رسیدن به عرض آخر و تبدیل شدن به مهره ای قوی وجود دارد.

История самого одинокого кита на свете

داستان تنهاترین نهنگ جهان

В северной части Тихого океана уже 20 лет плавает одинокий кит, который не может общаться с родственниками, потому что разговаривает не на той частоте.

۲۰ سال است که در اقیانوس آرام شمالی نهنگی تنها شنا می‌کند، که به دلیل فرکانس متفاوت صحبت کردنش، نمی‌تواند با هم نوعانش ارتباط برقرار کند.

Языковой барьер

Основная частота криков всех усатых китов, обитающих в северной части Тихого океана, находится на границе слышимости человека, между 10 и 20 Гц. Но есть один кит, который издает звуки на частоте 52 Гц. Непривычная высота голоса, как полагают многие исследователи, привела к тому, что все время животное проводит в одиночестве. За годы наблюдений его крики никогда не смешивались с криками других китов.

مانع زبانی

فرکانس اصلی فریاد زدن تمام نهنگ‌های سبیل دار، که در اقیانوس آرام شمالی زندگی می‌کنند، در مرز شنوایی انسان، یعنی چیزی بین ۱۰ تا ۲۰ هرتز قرار دارد. اما نهنگی وجود دارد که صداهایی با فرکانس ۵۲ هرتز منتشر می‌کند. همانطور که بسیاری از محققان معتقدند، بلندی غیرعادی صدای او، منجر به این شده است که، او تمام مدت را به تنهایی سپری کند. طی مشاهدات این سال‌ها، فریادهای او هیچ وقت با فریادهای دیگر نهنگ‌ها آمیخته نشده است.

Первая встреча

Кита по имени 52 Гц первый раз услышали в 1989 году. Его голос был записан гидрофонами ВМФ США, расставленными в Тихом океане во время холодной войны для того, чтобы предупреждать появление подводных лодок противника. Через три года военные разрешили океанологам пользоваться своей техникой, и с тех пор наблюдение за китом ведется постоянно.

اولین ملاقات

اولین بار در سال ۱۹۸۹، صدای نهنگی به نام ۵۲ هرتز شنیده شد. صدای او توسط هیدروفون‌های نیروی دریایی ایالات متحده آمریکا، که در طول جنگ سرد در اقیانوس آرام مستقر شده بودند، ضبط شد تا در مورد زیردریایی‌های دشمن هشدار دهد. پس از سه سال، ارتش به اقیانوس شناسان اجازه داد تا از تجهیزاتشان استفاده کنند، و از آن زمان، نهنگ به طور مداوم زیر نظر گرفته شد.

Песня

Имя 52 Гц кит получил благодаря основной частоте своих криков. Помимо частоты, его позывы отличаются от криков других китов ритмом и структурой.

آواز

نهنگ، نام ۵۲ هرتز را به لطف فرکانس اصلی فریادهایش دریافت کرد. علاوه بر فرکانس، صدا زدن‌هایش از نظر ریتم و ساختار با فریادهای دیگر نهنگ‌ها متفاوت است.

Биография

С момента обнаружения песни 52 Гц слышат каждый год — последний раз это случилось прошлой зимой. Следовательно, ему по меньшей мере 23 года. За это время, по мнению некоторых исследователей, голос его огрубел, то есть из подростка он превратился во взрослого. Сколько он проживет, неизвестно, но усатые киты, как считается, живут по много десятков лет.

زندگینامه

از لحظه‌ی کشف، اصوات ۵۲ هرتز هر سال شنیده می‌شوند. آخرین بار، زمستان گذشته این اتفاق افتاد. بنابراین، او حداقل ۲۳ سال سن دارد. به گفته ی برخی از محققان، در این مدت صدای اون بم تر شده و این به معنی آن است که از نوجوان به یک بزرگسال تبدیل شده. طول عمر او نامشخص است، اما به نظر می‌رسد که نهنگ‌های بالینی ده‌ها سال عمر می‌کنند.

Маршруты

Ученые могут нарисовать на карте маршруты передвижений млекопитающего за много лет, хотя никто никогда его не видел. 52 Гц путешествует по северной части Тихого океана, проходя за зимние месяцы — когда его слышно — по несколько тысяч километров. Передвигается он обычно со скоростью меньше, чем 4 км/час, но почти без остановок. Его пути пролегают на глубоководье в сотнях километров от берега.

مسیرها

دانشمندان می‌توانند مسیرهای چند سال حرکت پستانداران را روی نقشه رسم کنند، اگر چه هیچ کس آن ها را ندیده باشد. ۵۲ هرتز در سراسر اقیانوس آرام شمالی سفر می‌کند، در ماه‌های زمستان، وقتی که صدایش شنیده می‌شود، هزاران کیلومتر را طی می‌کند. او معمولا با سرعت کمتر از ٤ کیلومتر در ساعت، اما تقریبا بدون توقف، به اطراف حرکت می‌کند. مسیرهای او در اعماق آب، صدها کیلومتر دورتر از ساحل می‌باشند.

Общение

Песня кита состоит из серий криков, длящихся по несколько секунд. Бросив позыв, 52 Гц молчит несколько минут, а затем начинает снова. В некоторые дни он кричит с незначительными перерывами по 20 часов подряд. Услышать его можно зимой — с декабря по февраль, в остальное время про него ничего не известно.

ارتباط

آواز نهنگ متشکل از سلسله فریادهای چند ثانیه ای است. پس از صدا زدن، ۵۲ هرتز چند دقیقه سکوت می‌کند و سپس دوباره شروع می‌کند. بعضی روزها ۲۰ ساعت بدون وقفه ای کوچک فریاد می‌زند. صدای او را می‌توان در زمستان، از ماه دسامبر تا فوریه شنید، اما دیگر زمان‌ها چیزی از او مشخص نیست.

Исследователи

Первым биографом 52 Гц был биолог Уильям Уоткинс, один из первых людей, начавших записывать голоса китов и дельфинов. Его интерес к языкам распространялся не только на животных: он знал несколько западноафриканских языков, а диссертацию по биологии китов защищал в Токио на японском.

محققین

اولین کسی که زندگینامه ۵۲ هرتز را نوشت، زیست شناسی به نام ویلیام واتکینز، یکی از اولین کسانی بود که شروع به ضبط صدای نهنگ‌ها و دلفین‌ها کرد. علاقه‌ی او فقط به زبان حیوانات ختم نمی‌شد. او چندین زبان آفریقای غربی را می‌دانست و از پایان نامه خود در مورد زیست شناسی نهنگ‌ها، در توکیو به زبان ژاپنی دفاع کرد..

Слух

Киты находят конспецификов (представителей своего вида) в первую очередь на слух. Свет в воде распространяется хуже, чем в воздухе, а звуки — в четыре раза быстрее, позволяя слышать друг друга за много километров. Усатые киты издают звуки громкостью более 150 децибел — человек физически не в состоянии переносить такой уровень шума. Крики синих китов можно записать на чувствительный гидрофон с расстояния в сотни километров.

شنیدن

نهنگ‌ها هم‌نوعان خود (اعضای گروه خود) را بیشتر از طریق شنیدن پیدا می‌کنند. نور در آب بدتر از هوا حرکت می‌کند، اما سرعت صدا چهار برابر سریعتر است. به همین دلیل می‌توان صداها را از کیلومترها دورتر شنید. نهنگ‌های بالینی صداهایی با بلندی بیش از ۱۵۰ دسیبل تولید می‌کنند، که انسان قادر به تولید چنین صدای بلندی نیست. فریاد نهنگ‌های آبی را می‌توان از صدها کیلومتر دورتر روی یک هیدروفون حساس ضبط کرد.

Родня

В северной части Тихого океана встречаются три вида китов: голубой кит, горбатый кит и финвал, и все они родственны между собой. К какому виду принадлежит 52 Гц — неизвестно. Может быть, он гибрид двух видов китов, а может быть — хотя это куда менее вероятно, — он последний представитель какого-то еще, незнакомого вида.

هم‌نوعان

در اقیانوس آرام شمالی می‌توان سه نوع نهنگ را مشاهده کرد: نهنگ آبی، نهنگ گوژپشت و نهنگ سبیل دار. همه‌ی آن‌ها با هم در ارتباط هستند. اما اینکه ۵۲ هرتز متعلق به کدام نوع است، همچنان مشخص نیست. ممکن است او ترکیبی از دو نوع نهنگ باشد، و یا ممکن است او آخرین بازمانده از نوع ناشناخته‌ای دیگر از نهنگ‌ها باشد (هرچند که این احتمال کمتر است.).

Социальные сети

В Twitter есть пользователь 52Hurts (Боль-52) который подписывается Одиноким китом (Lonely whale). Его записи посвящены жизни в море, одиночеству, отчаянию и планктону, застрявшему во рту между пластинами.

رسانه‌های جمعی

کاربری در توییتر به نام ۵۲ هرتز وجود دارد، که اشاره‌ای به نهنگ تنها می‌باشد. یادداشت‌های او به زندگی در دریا، تنهایی، ناامیدی و پلانکتونی که صحبت او سر زبان‌ها افتاده، اختصاص داده شده است.

Концерт

В 2011 году французский художник Лорис Грео устроил концерт в северо-западной части Тихого океана на глубине 4000 метров под водой. Он транслировал в толще воды запись музыки и снимал на камеру свечение местной фауны, вызванное звуковой волной.

کنسرت

هنرمند فرانسوی، لاریس گرید در سال ۲۰۱۱ کنسرتی در بخش شمال غربی اقیانوس آرام، در عمق ۴۰۰۰ متری زیر دریا برگزار کرد. او موسیقی را در آب پخش کرد و درخشش جانوران آن منطقه که ناشی از یک موج صوتی بود را در دوربین فیلمبرداری کرد.

https://www.pravilamag.ru/articles/2667-52hz/

История преподавания русского языка в мире

Краткий экскурс в историю первого учебника русского языка для европейцев поможет раскрыть основополагающие размышления об этом виде учебных средств. История этого учебника уходит корнями в 1696 год, когда немецкий филолог Генрих Вильгельм Лудольф (Henrici Wilhelmi Ludolfi) опубликовал в Оксфорде свою книгу Grammatica Russica. В отличие от предшествующих письменных трудов о русском языке этот учебник впервые посвящен русскому языку повседневного общения преимущественно господствующего класса, а не старословянскому языку литургии. Книга содержит сведения об истории России, ее экономическом устройстве в конце XVII века, обычаях и традициях. Книга написана на латинском языке, но имеет ссылки с переводом на немецкий. Непосредственно современной грамматике, а также списку славянских грамматических понятий отводится чуть менее половины объема издания, эта часть книги адресована тем, «кто хочет изучать славянскую грамматику». Первая глава посвящена русскому шрифту, орфографии и фонетике. Интересно отметить, что эти сведения подаются в сравнении с немецким языком, что, в свою очередь, указывает на учет потребностей целевой аудитории. Бóльшая часть книги отдана диалогам живой русской речи. Представлены пять диалогов на бытовые темы и один о религиозных вопросах. Бытовые диалоги направлены на изучение устной речи с целью повышения навыков общения на русском языке. Учебник был переведен на английский и французский, а также частично на немецкий языки.[1]

Этот первый учебник РКИ наглядно представляет многочисленные аспекты, определяющие сущность учебного пособия. После введения в язык, включающего алфавит, шрифт и правила произношения, в книге вводятся лексика и грамматика, а также бытовые диалоги, отражающие конструкции современной устной речи. Особое внимание уделяется страноведческой информации, способствующей развитию межкультурной компетенции. Уже в XVII веке в учебнике русского языка для иностранцев прослеживаются задатки сравнения языков и использование многоязычия. С тех пор учебники РКИ находятся в процессе постоянного усовершенствования. А с середины прошлого столетия, когда использование новых технологий расширило возможности учебных пособий, языковые учебно-методические комплексы являются объектом исследования методистов и преподавателей.

Зарождение методики преподавания русского языка как иностранного относится к 1918 г., когда появилась необходимость обучения иностранных граждан языку первой в мире страны социализма. Однако методика как наука, как система определенных знаний начала складываться только в 50-е годы и за последние 50 лет достигла больших успехов.[2]

1. Харгасснер Юлия, 2017, с.55-56
2. Чеснокова М.П, 2015, с.12

История преподавания иностранных языков в России насчитывает почти 1000 лет , а ее зарождение относится ко временам Киевской Руси (XI - XII вв .) . Развитие методики . после Октябрьской революции 1917 г. прошло несколько этапов , каждый из которых являлся опреде ленной вехой в жизни Российского государства и учитывал из менения , происходившие в самой методике как научной и учеб ной дисциплине. Каждый этап характеризуется изменениями в структуре и содержании курса иностранного языка в средней и высшей школах , в средствах обеспечения учебного процесса , приемах и методах преподавания языка . Перспективы развития методики связаны с использованием современных технологий и повышением в этой связи роли само стоятельной работы учащихся . Вхождение России в мировое со общество способствовало усилению потребности в знании ино странных языков , ориентировало современную методику на обу чение общению и межкультурной коммуникации . Высокий ре зультат в обучении иностранным языкам достигается качеством преподавания , использованием современных методов и средств обучения. [3]

تاریخچه تدریس زبان روسی در جهان

یک جستجوی کوتاه در مورد تاریخ اولین کتاب درسی زبان روسی برای اروپایی‌ها، کمک خواهد کرد که بازخوردهای اساسی در مورد این نوع ابزارهای آموزشی را کشف کنیم. تاریخچه این کتاب به سال ۱۶۹۶ برمی گردد که هاینریش ویلهلم لودولفی کتاب گرامر روسی (Grammatica Russica) را در آکسفورد منتشر کرد. در مقایسه با کارهای قبلی نوشته شده در مورد زبان روسی، این کتاب درسی برای اولین بار به زبان روسی و ارتباطات روزمره به طور عمده از طبقه حاکم اختصاص داده شده و نه زبان اسلاوی قدیمی مورد استفاده در مراسمات مذهبی. این کتاب شامل اطلاعاتی در مورد تاریخ روسیه، ساختار اقتصادی آن در پایان قرن هفدهم، عادات و سنت‌های روسیه است. این کتاب به زبان لاتین نوشته شده است، اما پیوندهایی با ترجمه آلمانی دارد. کمی کمتر از نیمی از حجم انتشار به طور مستقیم به دستور زبان مدرن اختصاص داده شده و همچنین لیستی از مفاهیم دستوری اسلاوی دارد که مخاطب این بخش از کتاب "کسانی که می خواهند به مطالعه دستور زبان اسلاوی بپردازند" می‌باشد. فصل اول به رسم‌الخط روسی، املا و آواشناسی اختصاص داده شده است. جالب است بدانید که این اطلاعات در مقایسه با زبان آلمانی است که به نوبه خود نشان می‌دهد که نیازهای مخاطبان مورد توجه قرار گرفته است. بیشتر کتاب به مکالمات گفتار زنده روسی اختصاص دارد. پنج گفتگو در مورد موضوعات روزمره و یکی در مورد موضوعات مذهبی وجود دارد. گفتگوهای روزمره با هدف مطالعه گفتار شفاهی به منظور بهبود مهارت های ارتباطی به زبان روسی انجام می شود. این کتاب درسی به انگلیسی و فرانسوی و همچنین تا حدی به آلمانی ترجمه شده است.

این اولین کتاب درسی با متد РКИ است که به وضوح جنبه های متعددی از ماهیت کتاب درسی را تعریف می کند. پس از مقدمه ای بر زبان، شامل الفبا، رسم‌الخط قواعد تلفظ، این کتاب به معرفی واژگان و دستور زبان و همچنین گفتگوهای روزمره معرف ساختارهای مدرن گفتار شفاهی می‌پردازد. توجه ویژه ای به مطالعات کشورشناسی می شود که به توسعه صلاحیت بین فرهنگی کمک می کند. تا آن زمان در قرن هفدهم، کتاب درسی زبان روسی برای خارجی‌ها با پیگیری روش مقایسه زبان و استفاده از چندزبانگی بوده است. از آن پس کتابهای درسی در حال بهبود مستمر هستند و از اواسط قرن گذشته که استفاده از فناوری‌های جدید امکانات کتاب‌های درسی را گسترش داد، مجموعه‌های علمی تدریس زبان مورد تحقیق روش‌شناسان و معلمان قرار گرفتند.

3. Шукин А.Н., 2006, с.343

خاستگاه روش تدریس زبان روسی به عنوان یک زبان خارجی (РКИ) به سال ۱۹۱۸ برمی گردد که لازم شد به شهروندان خارجی زبان اولین کشور سوسیالیسم جهان آموزش داده شود. با این حال، روش شناسی به‌عنوان یک علم و به عنوان یک سیستم دانش خاص در دهه ۵۰ شروع به شکل گرفتن کرده و در این ۵۰ سال گذشته به موفقیت‌های بزرگ دست‌یافته‌است.

تاریخچه تدریس زبان های خارجی در روسیه تقریبا ۱۰۰۰ سال است و منشا این زبان به دوران روسیه کیفی (قرن های یازدهم تا دوازدهم) برمی گردد . توسعه روش شناسی پس از انقلاب اکتبر ۱۹۱۷ چندین مرحله را پشت سر گذاشت که هر یک نقطه عطف مشخصی در زندگی دولت روسیه بود و تغییراتی را که در خود روش‌شناسی به عنوان یک رشته علمی و دانشگاهی رخ داد در نظر گرفت. هر مرحله با تغییر در ساختار و محتوای دوره زبان خارجی در مدارس متوسطه و عالی و در ابزار حصول اطمینان از روند تحصیلی، تکنیک ها و روش های تدریس زبان مشخص می‌گردد. چشم انداز توسعه روش‌شناسی با استفاده از فناوری های مدرن و در این راستا افزایش نقش کار مستقل دانشجویان همراه است . ورود روسیه به جامعه جهانی به تقویت نیاز به دانش زبان‌های خارجی کمک کرد و روش های مدرن را بر تدریس ارتباطات و روابط بین فرهنگی متمرکز کرد . با استفاده از روشها و متدهای مدرن تدریس منتج به دستیابی به کیفیت در تدریس زبانهای خارجی می‌گردد.

Преподавание русского языка в Иране

Чтобы ответить на вопрос, какую привилегию русский язык имеет для Ирана? мы должны признать, что Россия является одним из литературных, политических , художественных и научных полюсов мира , в то время как эта страна также является нашим соседом.

Следующий диалог полностью и кратко отражает состояние обучения русского языка в Иране.

Программа "Культурный диалог" на тему "Требования и проблемы изучения русского языка в иранских школах" с участием доктора Джаноллах Карими Мотахар, кандидаты научный кафедры русского языка и литературы Тегеранского университета, и главы Иранской Ассоциации русских языков и литературы, был выпущен из радиосети "Гофтогу".

Преподаватель кафедры русского языка и литературы Тегеранского университета сказал: Если бы наши чиновники считали, что иностранный язык не является исключительным и не следует зацикливаться исключительно на одном языке, русский язык был бы представлен в качестве одного из иностранных языков наряду с другим.

Карими Мотахар заявил: "Конечно, на практике не обязательно, чтобы русский язык преподавался во всех наших школах. Вы можете посещать по крайней мере одну или две школы русского языка в каждой провинции. Кроме того, в провинциях, которые больше связаны с Россией, это можно сделать, чтобы решить проблему отсутствия спроса на изучение русского языка в стране.

Профессор университета сказал: история русского языка в иранских университетах насчитывает 80 лет. В настоящее время 300 студентов, изучающих русский язык, ежегодно поступают в университеты по двум направлениям: литература и обучения русскому языку.

Глава Иранской ассоциации русского языка и литературы заявил, что в университетах больше приветствуется изучение русского языка, чем в школах.

Он сказал, что за 15 лет ни одна школа не сделала своей активности в этом отношении. Возможно, выучить русский язык будет трудно, но это не невозможно. В настоящее время это научный язык многих бывших советских стран, и мы можем попробовать его по очень низкой цене.

Он также объявил: сейчас русский язык преподается в крупнейших университетах страны, таких как Тегеранский университет, университет имени Шахида Бехешти, а также в Мазандаране и Исфахане и других. Карими Мотаххар заключил: "К счастью, взгляд наших руководителей на сотрудничество с Россией расширяется день ото дня, и этот предмет может стать хорошей платформой для широкого развития этого языка в школах.

آموزش زبان روسی در ایران

در رابطه با اینکه آموزش زبان روسی چه مزیتی برای ایران دارد باید اذعان کنیم که روسیه یکی از قطب های ادبی، سیاسی، هنری و علمی دنیا است ضمن اینکه همسایه ما نیز محسوب می شود.

در مورد وضعیت آموزش زبان روسی در ایران، گفتگوی زیر بطور کامل و البته مختصر بیانگر مطلب خواهد بود.

برنامه "گفتگوی فرهنگی" با موضوع "بایدها و نبایدهای آموزش زبان روسی در مدارس ایران" با حضور دکتر جان‌الله کریمی‌مطهر عضو هیئت علمی گروه زبان و ادبیات روسی دانشگاه تهران و رئیس انجمن ایرانی زبان و ادبیات روسی از شبکه رادیویی گفت وگو روانه آنتن شد.

عضو هیات علمی گروه زبان و ادبیات روسی دانشگاه تهران گفت: اگر مسئولان ما معتقد بودند آموزش زبان خارجی انحصاری نیست و نباید تنها به یک زبان پرداخت، زبان روسی هم به‌عنوان یکی از زبان های خارجی در کنار یک زبان دیگر آموزش داده می‌شد.

کریمی مطهر تصریح کرد: البته از نظر اجرایی لازم نیست که زبان روسی در همه مدارس ما آموزش داده شود. می توان حداقل در هر استان در یک یا دو مدرسه زبان روسی را آموزش داد. علاوه بر این در استان هایی که با کشور روسیه ارتباط بیشتری دارند می‌توان این کار را انجام داد تا مشکل کمبود تقاضای یادگیری زبان روسی در کشور حل شود.

این استاد دانشگاه یادآور شد: سابقه آموزش زبان روسی در سطح دانشگاه‌های ایران به ۸۰ سال می‌رسد.

در حال حاضر سالانه ۳۰۰ دانشجوی زبان روسی در دو گرایش ادبیات و آموزش وارد دانشگاه‌ها می‌شوند.

رئیس انجمن ایرانی زبان و ادبیات روسی بیان داشت: در دانشگاه‌ها استقبال بیشتری به یادگیری زبان روسی نسبت به مدارس وجود دارد.

وی مطرح کرد: ۱۵ سال است که یک مدرسه به صورت آزمایشی هم فعالیت خود را در این رابطه آغاز نکرده است. ممکن است زبان روسی سخت باشد اما غیر قابل آموزش هم نیست؛ در حال حاضر زبان علمی بسیاری از کشورهای شوروی سابق روسی است و ما هم با هزینه خیلی کم می توانیم این کار را امتحان کنیم.

او همچنین اعلام کرد: در حال حاضر زبان روسی در دانشگاه های بزرگ کشور مانند دانشگاه تهران، شهید بهشتی و مازندران و اصفهان آموزش داده می شود. کریمی مطهر در خاتمه گفت: خوشبختانه نگاه بالادستی مسئولان ما نسبت به همکاری با روسیه روز به روز گسترش پیدا می کند و این مسئله می تواند در آینده بستر خوبی را برای آموزش گسترده این زبان در مدارس فراهم کند.

4. http://radiogoftogoo.ir/NewsDetails/?m=175103&n=239923

Международный день блинов

Международный день блинов — это праздник, который устраивается в честь такого всеми любимого блюда как блины. Отмечается Международный день блинов обычно в Жирный вторник — в католичестве, последний вторник перед Пепельной средой, которая знаменует собой начало Великого поста перед Пасхой.

Международный день блинов — это праздник, который устраивается в честь такого всеми любимого блюда как блины. Отмечается Международный день блинов обычно в Жирный вторник — в католичестве, последний вторник перед Пепельной средой, которая знаменует собой начало Великого поста перед Пасхой.

Международный день блинов появился в 1950 году в США, а позже распространился по разным странам мира. Впрочем, аналогичные Дню блинов празднества во многих странах уже существовали до этого. Например, в английском городке Олби вот уже более 500 лет есть традиция интересного забега в День блинов: женщины в платьях и фартуках преодолевают заданную дистанцию, держа в руках сковороды и переворачивая на них блины. Легенда гласит, что начало этой традиции было положено так.

Местная хозяйка в 1445 году во время Великого поста в тайне ото всех жарила дома блинчики. Когда прозвонил церковный колокол, возвещая о начале службы, она бегом помчалась в храм, да так спешила, что схватила с собой и сковороду, на которой жарились блины. Все жители увидели, что эта хозяйка нарушила предписания поста, однако ситуация получилась настолько комичной, что в итоге решено было ежегодно устраивать подобные забеги для развлечения.

Сегодня блины являются популярным лакомством в очень многих странах, причем в каждой стране обычно есть свои традиции и способы приготовления, а также подачи. Так, в США чаще всего пекут панкейки — довольно толстые блинчики, которые подаются преимущественно с кленовым сиропом и сливочным маслом. Внешне панкейки ближе к отечественным оладьям, чем к блинам, но готовятся на молоке, а не на кефире или простокваше.

Во Франции блины называются крепами. Они тонкие и, как правило, сладкие. Пожалуй, самые известные французские блинчики — это креп-сюзетт, блины с апельсиновым соусом, который готовится с добавлением ликера. Также во Франции любят подавать крепы с яблоками, а еще популярностью пользуются гречневые сытные блины с солеными начинками — креп-бретон.

В Чехии, Венгрии, Сербии пекут палачинке, которые могут подаваться как с солеными, так и сладкими начинками. Например, в Венгрии любимое сочетание для палачинке — это телятина, паприка и сметана. А вот в Чехии блинчики любят есть с маком и взбитыми сливками, с абрикосовым джемом и ванилью, а также с творогом и ванильным соусом. В свою очередь, сербы в палачинке добавляют не только пшеничную, но еще и кукурузную муку, а подают их с шоколадным соусом или кремом.

В отечественных условиях блины сегодня пекутся самые разные, у каждой хозяюшки есть собственный рецепт самых любимых в семье блинчиков. Если же говорить о наиболее известных вариантах, то традиционно русскими считаются блины с красной икрой, блины с припеком. Интересно при этом, что классические русские блины пекутся обязательно на дрожжевом тесте, а вот тонкие бездрожжевые блины появились в отечественной кухне значительно позже и считаются заимствованным блюдом.

روز جهانی پنکیک

جشنی است که به افتخار غذای مورد علاقه بسیاری از مردم برگزار می شود. روز جهانی پنکیک معمولاً در سه شنبه لذیذ، جشن گرفته می‌شود - در آیین کاتولیک، آخرین سه شنبه قبل ازچهارشنبه خاکسترنشان، ٤٦ روز پیش ازآغاز روزه داری ازعید پاک است. روزجهانی پنکیک در سال ۱۹۵۰ در ایالات متحده برای نخستین بار برگزار شد و بعدها درکشورهای مختلف جهان گسترش یافت.

با این حال، جشن هایی مشابه با روز پنکیک در بسیاری از کشورها از پیشتر نیز وجود داشته است. به طورمثال، در انگلیس، در شهرآلبی بیش از ۵۰۰ سال است که سنت پنکیک را برگزار می کنند: زنان با لباس و پیش بند مسافت مشخصی را طی می کنند، ماهی تابه را در دستان خود می گیرند و پنکیک را روی آنها می چرخانند.

سال ١٤٤٥، در زمان روزه بزرگ، یک زن خانه دار محلی، پنکیک را مخفیانه از همه در خانه سرخ کرد. هنگامی که زنگ کلیسا به صدا درآمد و شروع خدمت را اعلام کرد، او دوان دوان به معبد رفت و چنان عجله داشت که تابه ای را که روی آن پنکیک ها سرخ شده بودند، با خود برد. همه اهالی دیدند که این زن، دستورات روزه را زیر پا گذاشته است با این حال، وضعیت به قدری طنز بود که در نهایت تصمیم گرفته شد هر سال چنین مسابقاتی برای سرگرمی برگزار شود. امروزه پنکیک در بسیاری از کشورها یک غذای لذیذ محبوب است وعلاوه براین، هر کشوری معمولاً سنت ها و روش های آماده سازی و همچنین سرو مختص به خود را دارد.

در ایالات متحده آمریکا، پنکیک ها اغلب پخته می شوند. پنکیک ها نسبتا ضخیم هستند که عمدتا با شربت افرا و کره سرو می شوند. از نظر ظاهری، پنکیک ها به پنکیک خانگی نزدیکتر از بلینی است، اما در شیر پخته می شود و نه در کفیر یا شیر دلمه شده.

در فرانسه به پنکیک، کرپ می گویند. آنها نازک و معمولا شیرین هستند. شاید معروف ترین پنکیک فرانسوی، کرپ سوزت، پنکیک با سس پرتقال باشد که با اضافه کردن لیکور(نوشیدنی الکلی کف دار با طعم میوه) تهیه می شود. همچنین در فرانسه دوست دارند کرپ را با سیب سرو کنند اما هنوزهم کرپ بروتون – پنکیک های گندم سیاه با طعم نمکی محبوب هستند.

در جمهوری چک، مجارستان، صربستان، پالاچینکن پخته می شود که می توان آن را با انواع طعمهای نمکی و شیرین سرو کرد. به طورمثال، در مجارستان، ترکیب مورد علاقه برای پالاچینکن، گوشت گوساله، پاپریکا و خامه ترش است. اما در جمهوری چک دوست دارند پنکیک را با دانه های خشخاش و خامه فرم گرفته، مربای زردآلو و وانیل، و همچنین با پنیر و سس وانیل بخورند.

صرب ها، به نوبه خود در پالاچینکن نه تنها گندم، بلکه آرد ذرت را نیز اضافه می کنند و آنها را با سس شکلات یا خامه سرو می کنند.

در شرایط خانگی، پنکیک ها امروزه به روش های مختلفی پخته می شوند، هر زن خانه داری دستور خود را برای پنکیک مورد علاقه خانواده دارد.

اگر به معروف ترین موارد اشاره کنیم، به طورسنتی پنکیک با خاویار قرمز، پنکیک با پخت روسی درنظر گرفته می شوند. در عین حال جالب است که پنکیک های کلاسیک روسی الزاما با خمیر مخمر پخته می شوند، اما پنکیک های نازک بدون مخمر بسیار دیرتر در غذاهای میهنی به وجود آمدند و به عنوان یک غذای تازه وارد در نظر گرفته می شوند.

https://anydaylife.com/calendar/2860

Татья́нин день

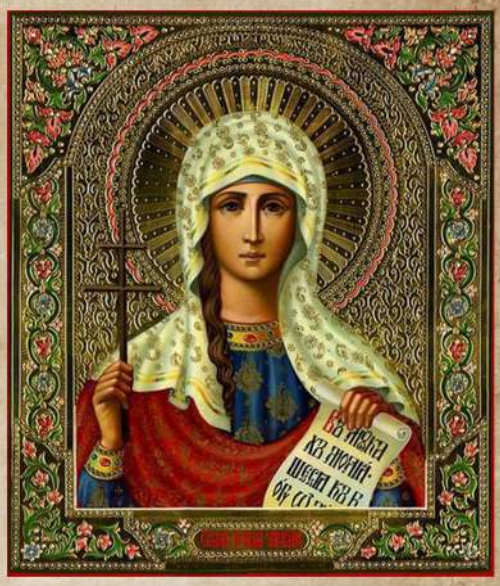

Татья́нин день, День российского студенчества — памятная дата в России, а также день в православном календаре и народном месяцеслове. Название дня произошло от имени раннехристианской мученицы Татьяны Римской, память которой совершается в Православной церкви 12 (25) января.

Православные 25 января чтят память святой Татианы Римской – сегодня этот праздник хорошо известен как Татьянин день, передает «МИР 24».

В этот день обязательно нужно творить добро – подавать милостыню и помогать нуждающимся, кормить бездомных животных, а также принимать участие в благотворительных мероприятиях.

На Руси верили, что в свой праздник Татьяна обязательно исполнит любое желание. Для этого необходимо найти самое высокое место в округе (крыши домов и прочие строения учитывать не надо), встать лицом к солнцу и сказать это желание четко и громко.

Категорически запрещается 25 января пить спиртное. Считается, что пьяного по запаху алкоголя найдет нечисть и начнет вредить.

Учащимся нельзя выбрасывать мусор из своей комнаты, чтобы вместе с ним не выкинуть свои знания. Ни в коем случае студентам нельзя сидеть тихо – иначе Татьяна не заметит их и не наделит удачей и светлым умом. Поэтому сегодня принято устраивать шумные вечеринки .

В этот день нельзя ругаться и даже мирно выяснять отношения – всегда стремившаяся к миру и согласию Татьяна конфликтов в свой день не потерпит[1]

Если в Татьянин день идет снег, то лето будет дождливым. Метель и сильный ветер на Татьянин день – урожая будет небогатым.

Накануне православные почитали память Феодосия Великого – святого, который заложил основы общежительного монашества в Палестине. В этот день было принято жарко топить печи и собираться большими компаниями

روز تاتیانا

روز دانشجو در روسیه است. یک رویداد تاریخی به یاد ماندنی در روسیه و تقویم ارتدکس است. نام این روز برگفته شده ازنام شهید مسیحی اول تاتیانای رم است. این روز، دوازدهم ژانویه در کلیسای ارتدکس گرامی داشته می شود.

به نقل ازخبر گزاری "میر ٢٤" ارتودوکس ها ٢٥ژانویه را به افتخار تاتیانای قدیسه گرامی می دارند، امروز این جشن به عنوان روز تاتینا مشهور است. در این روز بی شک باید کارهایی همچون کمک به نیازمندان، غذا دادن به حیوانات بی خانمان و همچنین شرکت در مراسم های خیریه را انجام داد.

در روسیه بر این باور بودند که در این جشن تاتیانا قطعا هر آرزویی را برآورده می کند. برای این کارحتما باید بلندترین مکان درخانه (سقف خانه و سایر قسمت های ساختمان) را پیداکنید رو به خورشید بایستید و باصدای بلند و به وضوح این آرزو را بیان کنید. در این روز، نوشیدن الکل اکیدا ممنوع است. این باوراست که ارواح شیطانی فرد مست را از طریق بوی الکلش پیدا می کنند و شروع به آسیب رساندن به اومی کنند. دانشجوها نباید آشغال ازاتاقشان بیرون بیندازند که همراه با آن عقلشان زایل خواهد شد. به هیچ وجه دانشجوها نباید ساکت بنشینند درغیر این صورت، تاتیانا متوجه آنها نمی شود و به آنها موفقیت و ذهن اگاه نخواهد بخشید. ا این روز مرسوم است که مهمانی های پر سروصدا در این روز برپاکنند.

در این روز، نباید مجادله کرد و حتی بحث و گفتگو را به صورت مسالمت آمیز فیصله داد، تاتیانا همیشه برای صلح و مدارا تلاش کرده و به همین دلیل در روز خودش نمی تواند ستیزرا تحمل کند.

اگر در روز تاتیانا برف ببارد، تابستان بارانی درپیش روخواهد بود. باران و برف شدید در روز تاتیانا محصولی کم را به دنبال خواهد داشت. درآستانه جشن ارتدکس ها یاد تئودوسیس کبیر، قدیسی که پایه های رهبانیت سنوبیت را در فلسطین پایه گذاری کرد را گرامی می دارند. دراین روز اجاق گاز ها را برای گرم کردن، داغ نگه می داشتند و در دسته های بزرگ دور هم جمع میشدند.

https://mir24.tv/news/16493284/tatyanin-den-primety-i-poverya-na-25-yanvarya.

Русский импрессионизм: 5 выдающихся художников

Словосочетание «Русский импрессионизм» еще только год назад резало слух среднестатистическому гражданину нашей необъятной страны. Каждый образованный человек знает про легкий, светлый и стремительный французский импрессионизм, может отличить Моне от Мане и узнать из всех натюрмортов подсолнухи Ван Гога. Кто-то что-то слышал про американскую ветвь развития этого направления живописи – более урбанистические по сравнению с французскими пейзажи Гассама и портретные изображения Чейза. Но о существовании русского импрессионизма исследователи спорят по сей день.

Константин Коровин

История русского импрессионизма началась с картины «Портрет хористки» Константина Коровина, а также с непонимания и осуждения публики. Впервые увидев это произведение, И. Е. Репин не сразу поверил в то, что работа исполнена русским живописцем: «Испанец! Это видно. Смело, сочно пишет. Прекрасно. Но только это живопись для живописи. Испанец, правда, с темпераментом...». Сам Константин Алексеевич начал писать свои полотна в импрессионистической манере еще в студенческие годы, будучи не знакомым с картинами Сезанна, Моне и Ренуара, за долго до своего путешествия во Францию. Только благодаря опытному глазу Поленова Коровин узнал, что использует технику французов того времени, к которой пришел интуитивно. В то же время русского художника выдают сюжеты, которые он использует для своих картин, – признанный шедевр «Северная Идиллия», написанная в 1892 году и хранящаяся в Третьяковской галерее, демонстрирует нам любовь Коровина к русским традициям и фольклору. Эту любовь художнику привил «мамонтовский кружок» – сообщество творческой интеллигенции, в которое входили Репин, Поленов, Васнецов, Врубель и многие другие друзья известного мецената Саввы Мамонтова. В Абрамцево, где располагалась усадьба Мамонтова и где собирались члены художественного кружка, Коровину посчастливилось познакомиться и работать с Валентином Серовым. Благодаря этому знакомству творчество уже состоявшегося художника Серова приобрело черты легкого, светлого и стремительного импрессионизма, которые мы видим в одной из его ранних работ – «Открытое окно. Сирень».

Валентин Серов

Живопись Серова пронизана присущей только русскому импрессионизму чертой – в его картинах отражено не только впечатление от увиденного художником, но и состояние его души в данный момент. Например, на картине «Площадь святого Марка в Венеции», написанной в Италии, куда отправился Серов в в 1887 году в связи с тяжелой болезнью, преобладают холодные серые тона, что дает нам представление о состоянии художника. Но, несмотря на достаточно мрачную палитру, картина является эталонным импрессионистическим произведением, так как на ней Серову удалось запечатлеть реальный мир в его подвижности и изменчивости, передать свои мимолётные впечатления. В письме невесте из Венеции Серов писал: “В нынешнем веке пишут все тяжелое, ничего отрадного. Я хочу, хочу отрадного, и буду писать только отрадное”.
После путешествия по Италии Валентин Серов возвращается в Абрамцево, где и создает свое самое известное и действительно «отрадное» произведение «Девочка с персиками», на котором изображена старшая дочь Саввы Мамонтова Вера. На момент создания этого шедевра Серову было всего 22 года, но его профессионализм позволил наполнить свою работу сразу несколькими жанрами: на картине мы видим и портрет, и натюрморт, и пейзаж за окном. Вопреки канонам стремительного импрессионизма, Серов писал картину ежедневно около трех месяцев, чем, по его собственным словам, «измучил двенадцатилетнюю Верочку». Но у зрителя все же создается впечатление, что девочка присела всего на минутку, и художнику удалось поймать момент и поделиться с нами своим мимолетным, светлым и счастливым впечатлением.

Александр Герасимов

Одним из учеников Коровина и Серова, перенявшим у них экспрессивный мазок, яркую палитру и этюдную манеру письма, стал Александр Михайлович Герасимов. Расцвет творчества художника пришелся на время революции, что не смогло не отразиться в сюжетах его картин. Несмотря на то что Герасимов отдал свою кисть на службу партии и прославился благодаря выдающимся портретам Ленина и Сталина, он продолжал работать над импрессионистическими пейзажами, близкими его душе. Работа Александра Михайловича «После дождя» открывает нам художника как мастера передачи воздуха и света на картине, чему Герасимов обязан влиянию своих именитых наставников.

Игорь Грабарь

В разговоре о позднем русском импрессионизме нельзя не обратиться к творчеству великого деятеля искусства Игоря Эммануиловича Грабаря, перенявшему многие техники французских живописцев второй половины XIX века благодаря своим многочисленным поездкам в Европу. Используя приемы классических импрессионистов, на своих картинах Грабарь изображает абсолютно русские пейзажные мотивы и бытовые сюжеты. Пока Моне рисует цветущие сады Живерни, а Дега – прекрасных балерин, Грабарь изображает теми же пастельными цветами суровую русскую зиму и деревенскую жизнь. Больше всего Грабарь любил изображать на своих полотнах иней и посвятил ему целую коллекцию произведений, состоящую из более ста маленьких разноцветных набросков, созданных в разное время суток и при разной погоде. Сложность работы над такими рисунками состояла в том, что краска застывала на морозе, поэтому работать приходилось быстро. Но именно это и позволяло художнику воссоздать «тот самый момент» и передать свое впечатление от него, что и является главной идеей классического импрессионизма. Часто стиль живописи Игоря Эммануиловича называют научным импрессионизмом, потому как он придавал большое значение свету и воздуху на полотнах и создал множество исследований о передачи цвета. Более того, именно ему мы обязаны хронологическим расположением картин в Третьяковской галерее, директором которой он был в 1920-1925 годах.

Юрий Пименов

Совершенно неклассический, но все же импрессионизм развивался и в советское время, ярким представителем которого становится Юрий Иванович Пименов, пришедший к изображению «мимолетного впечатления в постельных тонах» после работы в стиле экспрессионизма. Одной из самых известных работ Пименова становится картина «Новая Москва» 1930х годов – светлая, теплая, будто написанная воздушными мазками Ренуара. Но в то же время сюжет этой работы совершенно не сочетается с одной из основных идей импрессионизма – отказа от использования социальных и политических тем. «Новая Москва» Пименова как раз великолепно отражает социальные изменения в жизни города, которые всегда вдохновляли художника. «Пименов любит Москву, ее новь, ее людей. Живописец щедро отдает это свое чувство зрителю», – пишет в 1973 году художник и исследователь Игорь Долгополов. И действительно, глядя на картины Юрия Ивановича, мы проникаемся любовью к советской жизни, новым кварталам, лирическим новосельям и урбанистике, запечатленным в технике импрессионизма.

Творчество Пименова еще раз доказывает, что у всего «русского», привезенного из других стран, свой особенный и уникальный путь развития. Так и французский импрессионизм в Российской империи и Советском Союзе вобрал в себя черты русского мировоззрения, национального характера и быта.

Импрессионизм как способ передачи одного лишь восприятия действительности в чистом виде остался чужим для русского искусства, потому что каждая картина русских художников наполнена смыслом, осознанием, состоянием переменчивой русской души, а не просто мимолетным впечатлением.

https://porusski.me/2016/12/12/011-russkij-impressionizm-5-vydayushchihsya-hudozhnikov/

پنج نقاش برتر امپرسیونیسم روسی

هر فرد تحصیل کرده ای درباره امپرسیونیسم فرانسوی لطیف، درخشان و بی پروا چیزهایی شنیده است و یا می داند، به گونه ای که می تواند "مونه" را از "مانه" تشخیص دهد، و تابلوی طبیعت بی جان : گلدان همراه دوازده آفتاب گردان "ون گوگ"را تا به حال دیده است.
اگر تا به حال کسی، چیزی درباره توسعه ی شاخه آمریکایی این سبک منظره نگاری که در مقایسه با مناظر فرانسوی "گاساما" و پرتره های "چایز" که بیشتر شهری به نظر می رسد، چیزی شنیده باشد، اما درباره امپرسیونیسم روسی همچنان تردید و مجادله بین پژوهشگران وجود دارد.

کنستانتین کاروین

شروع سبک امپرسیونیسم روسی با تابلو «پرتره دختر گروه کر» کنستانتین کاروین درنظرگرفته می شود، که متاسفانه با اقبال عمومی روبرو نشد. در نخستین دیدار رپین از این اثر به راحتی باور نکرد که کار یک نقاش روس است: کار نقاشی اسپانیایی است!، مشهود است، بی باک، با طراوات و فوق العاده است ، این نقشی برای منظره است. نقاش اسپانیایی است، از طبیعت اثر پیداست.... . کنستانتین الکسییویچ رسم تابلو در سبک امپرسیونیسم را در سال های دانشجویی در حالی که هیچگونه آشنایی با تابلو های سزان، مونه و رنوآر نداشت و خیلی پیش تر از آنکه سفری به فرانسه داشته باشد، آغاز کرده بود. فقط به لطف چشم پرتجربه پولنوف، کاروین متوجه شد که از تکنیک فرانسوی های آن زمان، استفاده می‌کند. در عین حال نقاش روس خود موضوعات نقاشی های خود را خلق می‌کرد - شاهکار معروف << چکامه شبانی شمال>>، که در سال ۱۸۹۲ ترسیم شده و در گالری تریتیاکوفسکی نگهداری می شود، عشق کاروین به فولکلور و سنت های روسیه را به ما نشان می دهد.
این عشق توسط <<حلقه مامونتوفسکی>> که یک انجمن حرفه ای که رپین، پولنوف، واسنیتسوف، وروبل و تعداد زیادی از دیگر دوستان حامی، و پشتیبان هنر، ساوا مامونتوف، عضو آن بودند، در او ایجاد شد. در آبرامسیو، جایی که ملک مامونتوف در آنجا قرار داشت و اعضای حلقه هنری جمع می‌شدند، کاروین افتخار آشنایی و کار با والنتین سیروف را بدست آورد.
به لطف این آشنایی، سرنوشت کاری او که تحت تاثیر نقاش سیروف بود منجر به خلق جزییات لطیف، نرم، درخشان و بی پروای امپرسیونیسم شد که ما در یکی از کارهای اولیه او-"پنجره باز، یاس بنفش" شاهد آن هستیم.

Портрет хористики ۱۸۸۳= پرتره دختر گروه کر
Северная идиллия ۱۸۸٦= ۱۸۸٦چکامه شبانی شمال
Черемуха ۱۹۱۲ = گوجه خوشه‌ای ۱۹۱۲
Гурзуф ۱۹۱۵ , ۲ = گورزوف ۲ ، ۱۹۱۵
Пристань в Гурзуф ۱۹۱٤ = بندر گورزوف ۱۹۱٤
Париж ۱۹۳۳ =پاریس ۱۹۳۳

والنتین سیروف

نقاشی سیروف عجین شده با موردی است که فقط در امپرسیونیسم روسی مشاهده می‌شود – در تابلوهای او فقط چیزی که نقاش دیده، انعکاس داده نشده، بلکه حال روحی او در آن زمان نیز منعکس شده است. برای مثال تابلو " میدان سن مارکو در ونیز" که در ایتالیا، جایی که سیروف به آن در ۱۸۸۷ در ارتباط با بیماری وخیم خود سفر کرد، دارای پس زمینه خاکستری سرد است که به ما تصوری از شرایط و حالات نقاش می دهد. اما علی رغم رنگ آمیزی گرفته، تابلو به عنوان شاخصی برای آثار امپرسیونیسم محسوب می شود از آنجا که سیروف موفق شده جهانی واقعی را همراه با حرکت و تغییرپذیری رسم کند، و احساس جاری خود را منتقل کند. در نامه به عروس خود سیروف از ونیز نوشت : در قرن کنونی، همگان همه چیز را سنگین رسم می کنند، بدون هیچگونه دلگشایی، من دلگشایی میخواهم، من دلگشایی میخواهم، و فقط دلگشایی را رسم خواهم کرد.

بعد از سفر به ایتالیا والنتین سیروف به آبرامسیوا بر می‌گردد، جایی که مشهورترین و حقیقتا «دلگشا» ترین اثر خود، «دخترک با هلو ها» که در آن دختر بزرگ ساوا مامونتوف، ورا، ترسیم شده را، خلق می کند. در هنگام خلق این شاهکار، سیروف فقط ۲۲ سال داشت، اما تبحرش به او این اجازه را می‌داد که اثر خود را بلافاصله در چند ژانر مختلف خلق کند:

در تابلو ما شاهد پرتره، طبیعت بی جان و منظره ای را در پشت پنجره می‌بینیم.

بر خلاف قانون امپرسیونیسم بی پروا، سیروف ، ۳ ماه، هر روز مشغول رسم تابلوی خود بود تا حدی که خودش اظهار داشت، "ورای کوچک دوازده ساله را از پای در آورده بود" . اما در نظر مخاطب اینگونه به نظر می‌رسد که دخترک برای دقیقه ای نشسته، و نقاش موفق شده لحظه را ثبت کند و با ما برداشت های جاری، درخشان و خوش خود را به اشتراک بگذارد.

Открытое окно . Сирень ۱۸۸٦ = پنجره باز.یاس بنفش ۱۸۸٦

Площадь Св. Марко в венеции , ۱۸۸۷ =میدان سن مارکو در ونیز ۱۸۸۷

Девочка с персиками (портрет В. С. Мамонтовой)= دخترک با هلو ها (پرتره ورا مامونتووا)

Коронация. Миропомазание Николая II В Успенском Соборе , ۱۸۹٦= تاج گذاری. تایید نیکولای دوم در کلیسایی اوسپنسکی ۱۸۹٦

Девушка , Освещенная Солнцем ۱۸۸۸ = ۱۸۸۸ دختر ، زیر نور خورشید درخشان

الکساندر گراسیموف

یکی از شاگردان کاروویـن و سیروف، که از آن ها ضربه های قلم مو، رنگ بندی روشن و نوع اتودیک رسم را اقتباس کرده بود، الکساندر میخایلوویچ گراسیموف است. اوج کاری نقاش در بوحبوحه انقلاب همزمان شد، هنگامی که ناگزیر وقایع اجتماع را در تابلو های خود منعکس ساخت. علی رغم اینکه گراسیموف قلم موی خویش را به خدمت به حزب اختصاص داده بود و بخاطر پرتره های بی نظیر لنین و استالین ستایش می شد او به کار کردن روی منظره های امپرسیونیستی که نزدیک به روحیات خود او بودند ادامه می‌داد. تابلو "بعد از باران" اثر الکساندر میخایلوویچ برای ما آشکار می‌کند که نقاش چگونه استادانه هوا و نور را بر تابلو نقش می زند، چیزی که گراسیموف از مربیان عالی خود تاثیر پذیرفته بود.

Художники На Даче у Сталина ۱۹۵۱ = نقاشان در داچا نزد استالین ۱۹۵۱
Сталин и Ворошилов в Кремле ۱۹۵۰ =استالین و واراشیلوف در کرملین ۱۹۵۰
После Дождя. Мокрая Терраса ۱۹۳۵ =بعد از باران.تراس مرطوب ۱۹۳۵
Натюрморт . Полевой Букет ۱۹۵۲ = ۱۹۵۲طبیعت بی جان . گلدان گل های صحرایی

ایگور گرابار

هنگامی که سخن از اواخر دوره امپرسیونیسم روسی باشد، نمی توان آثار هنرمند بزرگ ایگور ایمانوئلوویچ گرابار را که بسیار از تکنیک های نقاشان فرانسوی نیمه دوم قرن ۱۹ تحت تاثیر سفر های بی شمارش به اروپا تقلید کرده، را از قلم انداخت. با استفاده از تکنیک های کلاسیک امپرسیونیست ها بر تابلو های خود، گرابار مناظر، موضوعات و حیات کاملا روسی را رسم می کند. در حالی که مونه باغ های در حال شکوفه زدن ژیورن و دگا بالرین های فوق العاده را رسم می کنند، گرابار با همان رنگ های پاستیلی گرفته، زمستان روسی و زندگی روستایی را رسم می کند. بیش از هر چیز گرابار به رسم یخ بر بوم علاقه داشت و مجموعه ای از آثار را که شامل بیش از صد طرح رنگارنگ در زمان های مختلف شبانه روز و در آب و هوای گوناگون خلق شده بودند را به طور کامل به آن اختصاص داده است. سختی کار بر روی چنین طرح هایی در آن است که رنگ یخ می‌زد به همین دلیل می بایست سریع مشغول به کار شد. اما دقیقا همین مساله به نقاش این اجازه را میداد که <<آن لحظه>> را بازسازی کند و برداشت خود را از آن نظر که چه چیزی اساس ایده امپرسیونیسم کلاسیک است را بیان کند.
اغلب سبک نقاشی ایگور ایمانوئلوویچ، امپرسیونیسم علمی نامگذاری می شود بدلیل اینکه او توجه زیادی نسبت به نور و هوا بر پرده نقاشی داشته است و پژوهش های زیادی را بر انتشار نور خلق کرده است. علاوه براین ما در مورد چینش زمانی تابلو ها در گالری تریتیاکوفسکی مدیون او هستیم که مدیریت آن را در سال های ۱۹۲۰-۱۹۲۵ بر عهده داشت.

Березовая аллея ۱۹٤۰ = ۱۹٤۰ کوچه سرو
Зимний Пейзаж ۱۹٥٤ = ۱۹٥٤ منظره زمستانی
Иней ۱۹۰٥ = ۱۹۰٥ سرماریزه
Груши На Синей Скатери ۱۹۱٥ = ۱۹۱٥ گلابی ها بر رومیزی آبی
Уголок Усадбы (Луч Солнца) ۱۹۰۱ = ۱۹۰۱ گوشه امارت (اشعه خورشید)

یوری پیمیونوف

مطلقا کلاسیک نیست، اما همان امپرسیونیسم توسعه یافته در دوران شوروی است که نماینده بارز آن یوری ایوانوییچ پیمینوف است که روی به رسم «برداشت های گذرا در پس زمینه های پاستیلی» بعد از کار در سبک امپرسیونیسم آورده بود.
یکی از مشهورترین تابلو های پیمینوف، تابلوی «مسکوی جدید» دهه ۱۹۳۰ است -درخشان، گرم، انگار توسط ضربه های نامرئی قلم موی رنوآر کشیده شده است. اما موضوع این اثر فاقد یکی از اصول اساسی امپرسیونیسم است - امتناع از استفاده موضوعات سیاسی و اجتماعی.« مسکوی جدید» پیمینوف یک دفعه به طور عظیمی تغییرات اجتماعی شهر را که همیشه نقاشان را تحت تاثیر خود قرار می داد انعکاس می دهد. ایگور دولگاپالوف نقاش و پژوهشگر در سال ۱۹۷۳ می‌نویسد : پیمینوف، مسکو، ظاهر جدید و مردمانش را دوست دارد.

یوری پیمیونوف

مطلقا کلاسیک نیست، اما همان امپرسیونیسم توسعه یافته در دوران شوروی است که نماینده بارز آن یوری ایوانوییچ پیمینوف است که روی به رسم «برداشت های گذرا در پس زمینه های پاستیلی» بعد از کار در سبک امپرسیونیسم آورده بود.
یکی از مشهورترین تابلو های پیمینوف، تابلوی «مسکوی جدید» دهه ۱۹۳۰ است -درخشان، گرم، انگار توسط ضربه های نامرئی قلم موی رنوآر کشیده شده است. اما موضوع این اثر فاقد یکی از اصول اساسی امپرسیونیسم است - امتناع از استفاده موضوعات سیاسی و اجتماعی. «مسکوی جدید» پیمینوف یک دفعه به طور عظیمی تغییرات اجتماعی شهر را که همیشه نقاشان را تحت تاثیر خود قرار می داد انعکاس می دهد. ایگور دولگاپالوف نقاش و پژوهشگر در سال ۱۹۷۳ می‌نویسد : پیمینوف، مسکو، ظاهر جدید و مردمانش را دوست دارد.
نقاش به طرز عالی این احساس خود را به مخاطب منتقل می‌کند. و حقیقتا که با نگاه بر تابلوهای یوری ایوانوییچ ما در عشق به زندگی عصر شوروی، ساختمان های جدید، مهمانی پاگشایی خانه های جدید و شهری، ثبت شده در سبک امپرسیونیسم، غرق می شویم. سرنوشت کاری پیمینوف یک بار دیگر به ما ثابت می کند که هر <<روس>> که از کشور های دیگر آمده، مسیر خاص و بی مانند توسعه خود را داراست. همانند امپرسیونیسم فرانسوی در امپراطوری روسیه، اتحاد جماهیر شوروی نیز جزییات جهان بینی، شخصیت ملی و هستی روسی را در خود جذب کرد.
امپرسیونیسم به مانند روشی برای انتقال تنها یک احساس واقعی به صورت محض، برای هنر روسی غریبه باقی ماند، زیراکه هریک از آثار نقاشان روس سرشار از تفکر، آگاهی، حالات تغییر پذیر روح روسی است و نه فقط برداشتی گذرا.

Новая Москва =مسکوی جدید
Ранее Утро В Москве ۱۹۶۱ = صبح زود در مسکو ۱۹۶۱
Париж Улица Сен-доминик ۱۹۵۸ = پاریس خیابان سن دومینیک ۱۹۵۸
Стюардесса ۱۹٦٤= مهماندار ۱۹٦٤

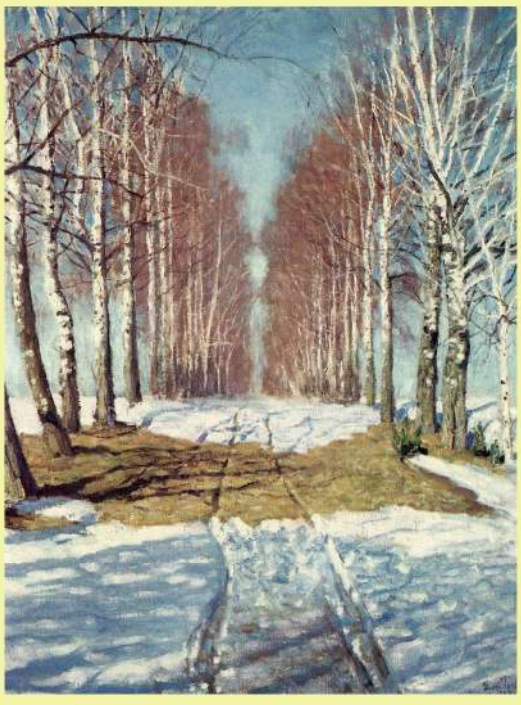

https://porusski.me/2016/12/12/011-russkij-impressionizm-5-vydayushchihsya-hudozhnikov/

Сталинградская битва

Сталинградская битва – крупнейшая сухопутная битва, которая шла с 17 июля 1942 года по 2 февраля 1943 года, между силами нацистской Германии и СССР в ходе Второй мировой.

Известно, что войска Германии начали внезапный натиск на СССР 22 июня 1941 года. В первый год войны немцы одерживали победу за победой и довольно быстро захватили всю территорию современной Украины, Польши, Белоруссии.

Понимая, что удар по Москве теперь будет предсказуемым, Гитлер запланировал ударить по Югу СССР, захватив Кавказ и главную водную артерию страны – Волгу. После победы в Харьковском сражении Гитлер приказывает 6-й армии идти на Сталинград. Командовал 6-й армией Фридрих Паульс.

Гитлер желал захватить Сталинград не только потому, что он был важной стратегической точкой и идеологическим рычагом давления. Город был назван в честь самого Сталина и его захват подорвал бы веру в вождя, тем самым могущество Гитлера не будет вызывать сомнений.

Первый этап сражения для немцев был успешным, они без труда прорвали оборону города и уже к 23 августа армии Вермахта прорвались в город. Перед тем, как войти в город, немецкая авиация нанесла чудовищные авиационные удары, в результате которых погибло 100 тыс. мирных жителей, а Сталинград превратился в руины.

Уже в сентябре немцы захватили половину города по реке Волга. Теперь вся река простреливалась, форсирование стало настоящим испытанием для советских войск. Танковые заводы выпускали танки с конвейера прямо в бой, иногда даже без боеприпасов, а экипажем становились те, кто собирал танк.

Когда наступили зима, немцы столкнулись с сокрушительным холодом и советскими снайперами. Легендой стал Василий Зайцев, убивший в Сталинграде 222 солдат противника, в том числе и офицеров, 11 профессиональный снайперов.

В ноябре Красная Армия начала контратаку, которая сопровождалась огромными потерями, но все же советские солдаты понемногу теснили немцев все дальше из города. В январе 1943 года 6-я армия была разбита не две части и советская армия начала уничтожать эти соединения, уже 31 января сдался Паульс. 2 февраля сдались остатки немецкой армии.

نبرد استالینگراد

نبرد استالینگراد بزرگترین نبرد زمینی است که از ۱۷ ژوئیه ۱۹۴۲ تا ۲ فوریه ۱۹۴۳ بین نیروهای آلمان نازی و اتحاد جماهیر شوروی در طول جنگ جهانی دوم رخ داد.
مشخص است که نیروهای آلمانی در ۲۲ ژوئن ۱۹۴۱ حمله ناگهانی به اتحاد جماهیر شوروی را آغاز کردند. درسال اول جنگ، آلمانی ها پیروزی های متوالی کسب کردند و به سرعت تمام قلمرو اوکراین، لهستان و بلاروس را به تصرف خود درآوردند.

هیتلر با درک اینکه حمله به مسکو اکنون قابل پیش بینی است، نقشه کشید تا با حمله کردن به جنوب اتحاد جماهیر شوروی قفقاز و آبراه اصلی کشور یعنی ولگا را به تسخیر خود درآورد. پس از پیروزی در نبرد خارکیف، هیتلر به هنگ ششم که فرماندهی اش را فردریش پاولز بر عهده داشت دستور داد تا به استالینگراد بروند.

هیتلر مشتاق بود استالینگراد را تصرف کند نه تنها به این دلیل که یک نقطه استراتژیک مهم و اهرم فشار ایدئولوژیک بود بلکه این شهر به نام خود استالین نامگذاری شده بود و تسخیر آن ایمان به رهبر را تضعیف می کرد، بنابراین جای تردیدی در قدرت هیتلر باقی نمی ماند.

مرحله اول نبرد برای آلمانی ها موفقیت آمیز بود، آنها به راحتی از دفاع شهر عبور کردند و تا ۲۳ اوت، ارتش ورماخت به شهر نفوذ کرد. قبل از ورود به شهر، نیروی هوایی آلمان حملات هوایی وحشتناکی را انجام داد که در نتیجه آن ۱۰۰ هزار غیرنظامی کشته شدند و استالینگراد به ویرانه تبدیل شد.

قبلاً در سپتامبر ، آلمانی ها نیمی از شهر را در امتداد رودخانه ولگا تصرف کرده بودند. اکنون کل رودخانه زیر آتش بود و عبور اجباری از آن به یک آزمایش واقعی برای سربازان شوروی تبدیل شده بود. کارخانه‌های تولید تانک، تانک‌ها را مستقیماً از خط مونتاژ به نبرد حتی گاهی اوقات بدون مهمات تولید می کردند و می فرستادند و کسانی که تانک را مونتاژ می کردند، به عنوان خدمه راهی جنگ می شدند.
هنگامی که زمستان فرا رسید، آلمانی ها با سردی کوبنده و تک تیراندازهای شوروی روبرو شدند. واسیلی زایتسف زمانی که ۲۲۲ سرباز دشمن از جمله افسران و ۱۱ تک تیرانداز حرفه ای را در استالینگراد کشت به یک افسانه تبدیل شد.

در نوامبر، ارتش سرخ ضد حمله ای را آغاز کرد که با خسارات هنگفت همراه بود، اما همچنان سربازان شوروی به تدریج آلمانی ها را بیشتر و بیشتر از شهر بیرون کردند. در ژانویه ۱۹۴۳ هنگ ششم در بیش از دو بخش شکست خورد و ارتش شوروی شروع به نابودی این تشکل ها کرد، و بالاخره در ۳۱ ژانویه، پاولز تسلیم شد. در ۲ فوریه، بقایای ارتش آلمان نیز تسلیم شدند.

https://www.istmira.com/drugoe-vtoraya-mirovaya-voyna/12998-itogi-stalingradskoy-bitvy.html

Что означают купола православных церквей

С ранних времен христианская религия была наполнена особыми знаками — они воплотились в архитектуре храмов. Какой смысл вкладывают верующие в форму, цвет и количество куполов православной церкви — разбираемся вместе с порталом «Культура.РФ».

Цвет: от золотого до черного

Золотой. Самый распространенный цвет православных куполов олицетворяет вечность и небесную славу. Храмы с золотыми куполами посвящали Христу и великим церковным праздникам — Рождеству, Сретению, Благовещению. Такие главы венчают московский храм Христа Спасителя и кремлевские соборы — Успенский, Благовещенский, Архангельский.

Сегодня купола не облицовывают золотом, но раньше металл растворяли в ртути, а затем полученную амальгаму наносили на горячий медный лист. Процесс золочения был очень дорогим и трудозатратным. Например, на покрытие купола Исаакиевского собора ушло 100 килограммов золота.

суздальский собор Рождества Пресвятой Богородицы, построенный еще при Владимире Мономахе. Это был первый каменный храм во Владимиро-Суздальской земле.

Но встречаются и соборы с синими куполами, не связанные с именем Богородицы. Троицкий собор в Петербурге построили в 1838 году для Измайловского полка Императорской гвардии. Его офицеры носили синюю форму, поэтому для куполов выбрали такой цвет.

Зеленый. Этот цвет считается знаком Святого Духа. Чаще всего его можно встретить на церквях, посвященных Святой Троице. Одно из таких строений — церковь Святой Троицы «Кулич и Пасха». Идея придать храму форму традиционных пасхальных блюд принадлежала заказчику строительства — князю Александру Вяземскому. По его просьбе архитектор Николай Львов построил пирамидальную колокольню и церковь-ротонду с низким зеленым куполом.

Подобные купола венчают и церкви, построенные в честь православных святых. Например, церковь Ильи Пророка в Ярославле — один из ключевых памятников местной школы XVII века.

Серебряный. Этот цвет в православии связан с чистотой и святостью. Серебряными куполами увенчаны храмы, посвященные святым, — например, церковь Николы на Липне под Великим Новгородом и Софийский собор в Вологде. Храм в честь святой Софии возвели в 1570 году по указу Ивана Грозного. Царь распорядился построить его по образцу Успенского собора Московского Кремля.

Черный. Купола этого цвета встречаются редко и украшают монастырские храмы. Черные купола венчают соборы Марфо-Мариинской обители в Москве — женского монастыря в стиле модерн, построенного по проекту Алексея Щусева. Средства на его возведение пожертвовала великая княгиня Елизавета Федоровна — вдова московского генерал-губернатора, великого князя Сергея Александровича. Купола, символизирующие монашество, также можно увидеть на соборах Спасо-Преображенского монастыря в Муроме.

Многоцветные купола в православной традиции напоминают верующим о красоте Небесного Иерусалима. Так выглядят главы храма Спас на Крови в Петербурге и собора Василия Блаженного в Москве. Иностранные путешественники восхищались цветными узорами куполов и сравнивали их с чешуей кедровой шишки, ананаса и артишока. Такой вид главы приобрели после пожара 1595 года — тогда храм восстановили и перестроили.

Форма: не только луковицы

Сферический купол в православной традиции символизирует вечность. Возводить храмы с подобными куполами начали римляне: во II веке они научились строить перекрытия большой площади без опор. До наших дней дошел построенный таким образом римский пантеон 128 года н. э. В России сферические купола венчают московский Елоховский собор — место крещения Александра Пушкина.

Шлемовидный купол отсылает к словам апостола Павла: «Облекитесь во всеоружие Божие...и шлем спасения возьмите, и меч духовный, который есть Слово Божие». Такие купола типичны для русской домонгольской архитектуры: ими украшены, например, Успенский собор во Владимире и церковь Петра и Павла в Смоленске.

Купол-луковица в православной архитектуре — воплощение молитвы, стремления к небесам. По мнению исследователя Евгения Трубецкого, такой купол на основании барабана напоминает пламя свечи. Луковицеобразные главы характерны для русской архитектуры XVI–XVII веков. Примеры храмов с подобными куполами — это церковь Рождества Иоанна Предтечи в Угличе и церкви Ростовского кремля.

Шатер вместо традиционного купола трактуется в христианстве как образ Богородицы или Свет небесный. Шатровые храмы были распространены в XVI веке, хотя подобные церкви строились и раньше. Возводили их обычно из дерева: повторить конструкцию шатра в камне было очень сложно. Самый знаменитый образец шатровой архитектуры — церковь Вознесения в Коломенском. Ее построили по указу князя Василия III в честь рождения долгожданного наследника престола, будущего царя Ивана IV Грозного.

Количество: от одного до тридцати трех

Один купол напоминает верующим о единстве Бога. Одноглавые храмы были особенно популярны в домонгольское время. Самые известные из них — церковь Покрова на Нерли и Дмитриевский собор во Владимире. Оба храма построены в XII веке — они пережили разорительные монголо-татарские нашествия и сохранились до наших дней.

Два купола встречаются нечасто и знаменуют собой божественную и человеческую природу Иисуса Христа. В Москве двумя куполами увенчана церковь Космы и Дамиана в Старых Панех. Это одна из старейших столичных церквей: ее деревянную предшественницу построили еще в 1468 году.

Три купола ассоциируются со Святой Троицей. Три главы венчают Георгиевский собор Юрьева монастыря — старейшей обители Великого Новгорода. Собор возвели в 1130 году по указу князя Мстислава Владимировича. В летописи сохранилось имя зодчего — Петр. Предполагают, что он также построил Николо-Дворищенский собор и церковь Благовещения на Городище

Пять куполов — символ Иисуса Христа и четырех евангелистов: Иоанна, Марка, Луки и Матфея. Пятиглавые храмы встречаются в России чаще других. Самые известные из них — Успенский собор во Владимире и построенный по его образу Успенский собор Московского Кремля

Семь куполов знаменуют для православных семь церковных таинств, семь Вселенских соборов (собраний, на которых были приняты основные христианские догмы) и семь главных православных добродетелей. Семиглавые соборы встречаются не так часто, как трех- или пятиглавые. К ним относятся Вознесенский храм в Новочеркасске — главный собор Донского казачества — и Крестовоздвиженский собор Белогорского Николаевского монастыря под Пермью.

Девять куполов связаны с девятью ангельскими чинами. Согласно христианской традиции небесные ангелы распределены по девяти уровням: ближе всего к Богу херувимы и серафимы, а к человеку — ангелы и архангелы. Девять куполов венчают храм Спаса на Крови в Петербурге и Благовещенский собор Московского Кремля.

Тринадцать куполов напоминают об Иисусе Христе и его сподвижниках — двенадцати апостолах. Тринадцатиглавый храм Иверской иконы Божией Матери находится в московском Николо-Перервинском монастыре. Его построили в 1908 году по проекту Петра Виноградова. В советское время собор использовали в качестве склада и фабричного цеха, но в 1990-х годах его восстановили.Двадцать пять куполов означают похвалу Пресвятой Богородице — прославление Пречистой Девы 25 ветхозаветными пророками.

Кроме того, число 25 символизирует видение небесного престола и окружающих его 24 старцев, описанное в Откровении Иоанна Богослова. 25 куполов венчают Покровскую церковь в усадьбе Богословка под Петербургом — копию утраченного карельского Покровского храма.

Двадцать пять куполов означают похвалу Пресвятой Богородице — прославление Пречистой Девы 25 ветхозаветными пророками. Кроме того, число 25 символизирует видение небесного престола и окружающих его 24 старцев, описанное в Откровении Иоанна Богослова. 25 куполов венчают Покровскую церковь в усадьбе Богословка под Петербургом — копию утраченного карельского Покровского храма.

В русской архитектуре встречаются храмы с одиннадцатью (Верхоспасский собор Кремля) и с пятнадцатью (церковь усекновения главы Иоанна Предтечи в Ярославле) куполами, но это скорее исключение из правил.

معانی گنبد های کلیساهای ارتودوکس

از زمان های دیرین دین مسیحیت دارای سمبل ها و نشانه هایی بوده که در معماری کلیساها جلوه گر می‌شدند. چه معنا و مفهومی را مومنان در رنگ، شکل و تعداد گنبد های کلیساهای ارتودوکس قرار دادند- با یکدیگر با پرتال «Культура.Рф» به بررسی این موارد خواهیم پرداخت.

رنگ : از طلایی تا سیاه

طلایی، گسترده ترین رنگ گنبد های ارتودوکس است که ابدیت و عظمت آسمانی را نشان می دهد. کلیساها با گنبد های طلایی به مسیح و اعیاد کلیسایی - کریسمس، عید تقدیس و تطهیر حضرت مریم، عید بشارت-اختصاص داده شده اند. چنین مواردی زینت دهنده کلیسای جامع مسیح نجات دهنده در مسکو و کلیساهای کرملین - اوسپینسکی، بلاگاویشنسکی، آرخانگلسکی هستند.

امروزه گنبد ها با طلا پوشانده نمی شوند، بلکه از پیش فلز را در سیماب ذوب می کنند و سپس ورقه ای از مس را با آلیاژ بدست آمده آغشته می‌کنند. پروسه مطلا کردن بسیار گران و پرهزینه بود. برای مثال جهت مطلا کردن گنبدهای کلیسای ایساکییوسکی ۱۰۰ کیلوگرم طلا صرف شده است.

آبی با ستارگان

کلیسا هایی با چنین گنبد هایی بیش از هر چیز به مریم باکره اختصاص داده شده اند. رنگ آبی نماد عفیف بودن و پاکی مریم باکره است، و ستارگان اشاره به ستاره بیت لحم که نشانه ای بر تولد مسیح است دارند. گنبدهای مزین شده به این شکل عبارتند از : کلیسای جامع سوزدالسکی، ساخته شده در زمان ولادیمیر ماناماخ. این کلیسا اولین کلیسای سنگی در قلمرو ولادیمیر-سوزدالسکی بوده است.

اما کلیساهایی با گنبد های آبی نیز مشاهده می شوند که هیچ ربطی به مریم باکره ندارند. کلیسای ترویتسکی در سن پترزبورگ که در سال ۱۸۳۸ آن را برای هنگ ایزمایلسکی گارد امپراطوری ساخته اند. افسران این هنگ یونیفرمی آبی رنگ بر تن داشته اند و به همین دلیل برای گنبد ها چنین رنگی انتخاب کرده اند.

سبز

این رنگ نشانه روح القدس است. بیش از هر چیز در کلیسا هایی که به تثلیث مقدس اختصاص داده شده اند، مشاهده می شود. یکی از این کلیسا ها، کلیسای تثلیث مقدس<<کولیچ ای پاسخا>> می باشد. ایده اینکه به کلیسا چنین فرمی، مانند غذای سنتی عید پاک داده شود را، سفارش دهنده ساخت این مکان - شاهزاده الکساندر ویزیومسکی داده است. به دلیل درخواست او، معمار نیکولای لووف برج زنگ کلیسا را به حالت هرم و کلیسا را به حالت مدور با گنبدی سبز رنگ با ارتفاع کم ساخت.

گنبد هایی به این مانند به افتخار قدیسان ارتودوکس ساخته شده اند. برای مثال کلیسای پیامبر ایلیا در ییراسلاو - یکی از کلیدی ترین بناهای مکتب محلی قرن ۱۷ ام است.

نقره ای

این رنگ در مذهب ارتودوکس با پاکی و قداست مرتبط است. گنبد های نقره ای زینت دهنده کلیسا هایی که به قدیسان اختصاص داده شده اند، مانند: کلیسای نیکولا که در لیپن نزدیک نووگوراد و کلیسای سافییسکی در ولووگدا واقع شده است، هستند. کلیسا به افتخار ایاصوفیه در سال ۱۵۷۰ به فرمان ایوان گروزنی ساخته شده است. پادشاه دستور داد که آن را به مانند کلیسای اوسپینسکی کرملین مسکو بسازند.

سیاه

گنبد های این رنگی به ندرت مشاهد می‌شوند و صومعه ها را زینت می دهند.گنبد های سیاه زینت دهنده کلیساهای صومعه مارفامارینسکی در مسکو - صومعه ای برای زنان در استیل مدرن، ساخته شده بر اساس طرح الکسی شوسیف- هستند. خرج ساخت او را شاهزاده خانم کبیر ییلیزاوت فیودوروونا--- بیوه ژنرال-فرماندار مسکو، شاهزاده کبیر سرگی الکساندرویچ اهدا کرده است. گنبد هایی که نماد رهبانیت هستند را حتی می توان در کلیسا های صومعه اسپاسا-پریآبراژنسکاوا در موروم دید.

گنبد های رنگارنگ

در سنت ارتودوکس به مومن، زیبایی اورشلیم آسمانی را یادآوری می کنند. این گنبد های رنگارنگ زینت دهنده کلیسای ناجی خون در سن پترزبورگ و کلیسای واسیلی بلاژینسکی در مسکو می باشند. گردشگران خارجی فرم این گنبد های رنگارنگ را ستایش می کنند و آن ها را با پولک های کاج، آناناس و کنگر فرنگی مقایسه میکنند. گنبد های کلیسا بعد از حریق ۱۵۹۵--- زمانی که کلیسا را مرمت و بازسازی کردند-- چنین نمایی به خود گرفتند.
شکل : نه فقط پیازی شکل
گنبد کروی در سنت ارتودوکس نماد ابدیت است. برپا کردن چنین گنبد هایی را رومی ها آغاز کردند: در قرن دوم آن ها یادگرفتند که چگونه روی مساحتی بزرگ کروی شکل را بدون تکیه گاه بپوشانند. پانتئون رومی که در ۱۲۸ بعد از میلاد چنین ساخته شده تا زمان ما نیز پابرجاست. در روسیه گنبد های کروی زینت دهنده کلیسای اپیفانی مسکو، محل غسل تعمید الکساندر پوشکین هستند.
گنبد های کلاهخود شکل اشاره به کلام پولس رسول دارد : <<کلاهخود نجات را بر سر نهید و شمشیر روح را که کلام خداست، به دست گیرید>>. چنین گنبد هایی برای معماری روسیه قبل از مغول ها معمول بوده است : آن ها زینت دهنده کلیسای اوسپینسکی در ولادیمیر و کلیسای پترا ای پاولا در اسمولینسک هستند.
گنبد پیازی شکل در معماری ارتودوکس نشان دعا و عروج به آسمان ها می باشد. از نظر پژوهشگر یوگنی تروبیتسکی چنین گنبدی که بر پایه طبل ساخته شده است یادآور شعله های شمع است. گنبد های پیازی شکل برای معماری روسی قرون ۱۶-۱۷ معمول هستند. کلیسا هایی که با گنبد های چنین ساخته شده اند عبارتند از : کلیسای روژدستوا یوان پریدتچی در اوگلیچ و کلیسای روستوفسکی کرملین می باشند.
خیمه به جای گنبدی سنتی نماد عفیف بودن و یا نور آسمانی در مسیحیت تلقی می شود. کلیسای های خیمه ای شکل در قرن ۱۶ گسترش یافتند، علی رغم اینکه کلیسا هایی به این مانند را در زمان های پیش تر نیز می ساختند. آن ها را از چوب می ساختند : تکرار ساختار خیمه در سنگ بسیار پیچیده بوده است. یکی از مشهورترین مثال های معماری خیمه ای: کلیسای وازنیسنیا در کالامینسکی می باشد. او را به دستور شاهزاده واسیلی سوم به افتخار تولد

وارث تاج و تخت، ایون چهارم گروزنی، که مدت های طولانی انتظار تولدش را می کشیدند، ساختند.

تعداد : از یک تا سی و سه

یک گنبد یادآور ایمان به خدای یگانه است. تک گنبدی کلیسا ها در دوران قبل از مغول بسیار محبوب بود. تعدادی از مشهور ترین آن ها عبارتند از: کلیسای پاکرووا در نرل و کلیسای دیمیتریوسکی در ولادیمیر می باشند. هر دوی این کلیساها در قرن ۱۲ ساخته شده اند. آن ها از حملات نابود کننده مغول و تاتار جان سالم به در برده اند و تا زمان ما باقی مانده اند.

دو گنبد به ندرت مشاهده می شوند و نشانه سرشت خدایی و انسانی عیسی مسیح می باشند. در مسکو دو گنبد زینت دهنده کلیسا کاسما ای دامیانا و استاریخ پانخ می باشند. این از قدیمی ترین کلیسا های پایتخت می باشد: جد باستانی او را در سال ١٤٦٨ ساختند.

۳ گنبد با تثلیث مقدس ارتباط دارد. سه گنبد زینت دهنده کلیسای صومعه یوریپچوا، قدیمی ترین بنای ویلیکی نووگراد می باشند. کلیسا در سال ۱۱۳۰ به فرمان شاهزاده مستیسلاو ولادیمیرویچ ساخته شده است.در یادداشت ها، اسم معمار--پتر-- باقی مانده است. گمان می رود که او همچنین کلیسای نیکولا دواریشنسکی و کلیسای بشارت در گارادیشه را ساخته است.

پنج گنبد--- نماد عیسی مسیح و چهار انجیل نویس است : یوحنا، مرقس، لوقا و متی. پنج گنبد در روسیه بیش از سایرین مشاهده می شود. مشهور ترین آن ها : کلیسای اوسپینسکی در ولادیمیر که به مانند کلیسای اوسپینسکی کرملین مسکو ساخته شده است.

هفت گنبد نشان هفت راز کلیسایی ارتودوکس، هفت کلیسای جهانی(مکان هایی که در آن اصل عقیده مسیحیت اتخاذ شده است) و هفت عمل خیر ارتودوکس می باشد. هفت گنبد آنچنان زیاد به اندازه سه یا پنج گنبد مشاهده نمی شوند. مثال آن: کلیسای وازنیسنسکی در نواچرکاسک، کلیسای جامع کازاک های دون و کلیسای کرستاوازدیویژنسکی در صومعه بلاگورسکی نیکولایوسکی نزدیک پرم می باشند.

نه گنبد با نه مرتبه فرشتگان ارتباط دارد. بر اساس سنت مسیحی فرشتگان آسمانی بر نه مرتبه تقسیم شده اند: نزدیک ترین به خدا خیروویم ها و سرافیم ها، و به انسان فرشتگان و فرشتگان نگهبان. نه گنبد زینت دهنده کلیسای ناجی خون در پترزبورگ و کلیسای بشارت کرملین مسکو می باشند.

سیزده گنبد یادآور عیسی مسیح و حواریون او می باشند. کلیسای سیزده گنبد ایورسکای ایکنی بوژه ی ماتری در صومعه نیکولاپررووینسکی در مسکو قرار دارد. او را در سال ۱۹۰۸ بر اساس طرح پتر وینگرادوف ساخته اند. در زمان شوروی کلیسا به عنوان انبار و کارگاه کارخانه ای استفاده می شد اما در سال های دهه ۱۹۹۰ دوباره او را بر پا کردند.

بیست و پنج گنبد نشانه ستایش باکره مقدس--- ستایش مریم مقدس توسط بیست و پنج پیامبر عهد عتیق--- می باشند. به جز این، عدد بیست و پنج نماد تخت پادشاهی آسمانی و بیست و چهار پیری است (توصیف شده در الهام یوحنای خداشناس) که آن را احاطه کرده اند، می باشد. بیست و پنج گنبد زینت دهنده کلیسای پاکرووسکی در عمارت باگاسلووکا نزدیک پیتربورگ --- که کپی کلیسای کارلییسکی پاکرووسکی می باشد، است.

سی و سه گنبد نشان سال های حیات مسیح بر روی زمین هستند. ساخت چنین کلیسا هایی بسیار به ندرت رخ می‌دهد. یکی از آن ها در استان وولگارادسکی، که ترادیسی کلیسای صومعه اوست-مدودیتسکاوا اسپاسا آبراژنسکاوا است، میباشد. الگوی ساخت او کلیسای پریآبراژنسکی در کیژاخ بوده است.

در معماری روسی کلیساهایی با یازده گنبد (کلیسای ورخااسپاسکی کرملین) و با پانزده گنبد (کلیسای اوسنکاونیا گلاوی یوانا پریدتچی در ییروسلاو) مشاهده می شوند، اما این بیشتر یک استثنا است تا یک اصل.

https://porusski.me/2016/12/12/011-russkij-impressionizm-5-vydayushchihsya-hudozhnikov/

Каждый день - это день благодарности

По случаю Международного дня благодарности мы сначала упомянем аят из Священного Корана о том, как благодарить и быть благодарным за благосклонность других, а затем рассмотрим некоторые примеры рекомендаций Корана быть благодарными за Божьи благословения. На самом деле, тот, кто благодарен за Божьи благословения, должен быть благодарен Божьим созданиям и иметь с ними хорошие отношения.

Когда вас приветствуют, отвечайте еще лучшим приветствием или тем же самым. Воистину, Аллах подсчитывает всякую вещь. [4:86]

Из этого аята можно понять, что всякий раз, когда люди проявляют к вам доброту, вы должны отвечать на их доброту лучшим образом или, по крайней мере, быть столь же благодарными.

Одним из предметов, подчеркиваемых исламской культурой и выраженных в Коране и традициях как ценная и хорошая черта для людей, является благодарность за Божьи благословения.

Ислам хочет, чтобы люди достигли определенной степени уверенности в том, что они благодарят Бога в любой ситуации, будь то покой или страдание.

Ученые ислама считают, что уровень благодарности выше, чем терпение, и говорят, что благодарность возникает из удовлетворения, а корень терпения лежит в неприязни.

благодарность в Коране и исламских источниках

Выражение спасибо за благословение и прощение называется благодарением. Как сказано в Коране об Аврааме:

Он был благодарен Аллаху за благодеяния, и Он избрал его и повел прямым путем. [16:121]

Поскольку Пророк Ибрахим был благодарен за Божьи благословения и стоял на этом пути, отвергая многобожников, Бог избрал его Своим Посланником и направил его на правильный путь.

Кроме того, когда Хазрат Ибрахим поместил Хаджар и Исмаила в землю Мекки без воды и травы, он обратился к Богу в молитве и попросил, чтобы, о наш Господь:

Господь наш! Я поселил часть моего потомства в долине, где нет злаков, у Твоего Заповедного дома. Господь наш! Пусть они совершают намаз. Наполни сердца некоторых людей любовью к ним и надели их плодами, - быть может, они будут благодарны. [14:37]

В этом аяте пророк Ибрахим подчеркивает благодарность за Божьи благословения в своей молитве.

Священный Коран считает благодарность Богу подобной памятованию о Боге и говорит:

Поминайте Меня, и Я буду помнить о вас. Благодарите Меня и не будьте неблагодарны Мне. [2:152]

Здесь воспоминание и благодарность Богу - это не просто лингвистическое упоминание, это означает воспоминание, очищение души от пороков и подготовку ее к принятию милости Божьей, а смысл благодарения заключается в том, чтобы использовать каждое благословение на своем месте и в пути Оно было создано.

О род Давуда (Давида)! Трудитесь в знак благодарности. Но среди Моих рабов мало благодарных. [34:13]

Другое значение благодарности, которое используется в этом аяте, заключается в том, что благодарность включает в себя большинство человеческих действий, хотя одним из видов благодарности является действие с частями тела. Но мы должны стараться правильно использовать Божьи благословения и благодарить на практике, что является самым низким уровнем благодарения. Другими словами, можно сказать, что благодарность заключается в том, что человек всегда помнит Бога, не забывая, и принимает Божьи повеления, не совершая греха.

Аллах говорит в Коране:

«Если вы будете благодарны, то Я одарю вас еще большим. А если вы будете неблагодарны, то ведь мучения от Меня тяжки». [14:7]

Одним из важных последствий благодарности является увеличение благословений, а одним из последствий неблагодарности перед благословениями является наказание Господа. Внимательно, мы узнаем из приведенного выше аят, что Богу не нужно, чтобы мы были благодарны за его благословения, хотя он приказал нам быть благодарными, и это принесет нам еще одно благословение. Важно понять, в чем заключается истина благодарности и кто является дарителем благословений?

Плод благодарности - по отношению к самому человеку. Бог говорит:

«Благодари Аллаха! Тот, кто благодарит, поступает только во благо себе. А если кто неблагодарен, то ведь Аллах - Богатый, Достохвальный». [31:12]

Результатом благодарности или неблагодарности является то, что выгода или убыток относятся к самому человеку. Потому что Бог не нуждается во всех.

Передают, что Хазрат Реза (а.с.) сказал: бойтесь Аллаха и да пребудут с вами смирение, благодарность и хвала Богу. Это правда, что среди Бани Исраэль был человек, который однажды ночью увидел во сне кого-то, кто сказал ему: половина твоей жизни проходит в изобилии средств к существованию. Выберите, будет ли это первая половина вашей жизни или последняя половина. Мужчина сказал, подождите, пока я проконсультируюсь с моей партнершей по жизни - моей женой, - и тогда я отвечу. Когда он проснулся утром, он сказал своей жене: Прошлой ночью один мужчина сообщил мне, что ты будешь в благосостоянии половину своей жизни, и ты можешь выбрать, будет ли это первая половина или последняя половина, и я попросил немного времени, чтобы проконсультироваться с тобой. Теперь ты выбираешь. Его жена сказала: Мы выбираем первую половину. Мужчина согласился, и тогда мир повернулся к нему, и по мере того, как к нему приходило все больше благословений, его жена сказала: "Помоги некоторым соседям и родственникам, которые в этом нуждаются, и это был их путь, всякий раз, когда Бог давал им благословение, они раздавали милостыню и благодарили". И они были снисходительны, пока однажды ночью ему не приснился сон, в котором они сказали ему, что половина твоей жизни, которую ты должен был прожить в достатке, закончилась. Его жена сказала: Бог дал нам благословение, и мы поблагодарили, и Бог пообещал, что если вы будете благодарить за благословения, ваши благословения увеличатся, и он верен своему слову, поэтому ночью они сообщили мужчине, что то, что сказала ваша жена, правда, и вторую половину вашей жизни вы будете также будьте в достатке. Потому что вы были благодарны за благословение.

هر روز روز شکرگزاری است

به مناسبت روز جهانی سپاسگزاری، در ابتدا در رابطه با تشکر کردن و سپاسگزاری در مقابل لطف دیگران آیه ای از قرآن کریم را بیان نموده و در ادامه به نمونه هایی از توصیه های قرآن به شکرگزاری در برابر نعمتهای الهی میپردازیم. در حقیقت کسی که شکر نعمتهای خدا را بجا آورد قطعا باید بنا به دستور الهی در مقابل مخلوقات خداوند نیز شکرگزار بوده و با آنها نیز رابطه ای خوب داشته باشد.
وَإِذَا حُيِّيتُم بِتَحِيَّةٍ فَحَيُّوا بِأَحْسَنَ مِنْهَا أَوْ رُدُّوهَا إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ حَسِيبًا

از این آیه می توان چنین برداشت نمود که هرگاه توسط مردم به شما لطف یا محبتی شد، شما باید در پاسخ، لطف آنها را به شیوه ای بهتر جبران کنید یا حداقل به همان اندازه سپاسگزار باشید.
از مسائلی که فرهنگ اسلامی بر آن تأکید کرده و در قرآن و روایات به عنوان خصلتی ارزنده و نیک برای انسانها بیان شده شکرگزاری و سپاس از بابت نعمتهای الهی است.
اسلام می خواهد افراد به درجه ای از یقین برسند که در هر حالی اعم از آرامش و یا روی آوردن مصائب شکر خدا را بجای آورند.
علماء درجه شکر را از صبر برتر دانسته و گفته اند شکر از رضا برخیزد و ریشه صبر در ناپسندی نهفته است.

شکرگزاری در قرآن و منابع اسلامی

ثناگویی در برابر نعمت و بخشش را شکر گویند. چنانچه قرآن درباره حضرت ابراهیم می فرماید: «شاکراً لانعمه و هداه الی صراط مستقیم(۱)؛چون حضرت ابراهیم نسبت به نعمت های الهی شکرگزار بود و در این راه ایستادگی کرد و از مشرکان اعراض نمود، خداوند وی را به عنوان رسول خویش برگزید و به راه راست هدایت کرد.»
هم چنین وقتی که حضرت ابراهیم هاجر و اسماعیل را در سرزمین بی آب و علف مکه قرار داد با خداوند راز و نیاز کرد که ای پروردگار ما: برخی از فرزندانم را به وادی بی آب و علف نزدیک خانه گرامی تو جای دادم تا نماز بگذارند پس ای خداوند متعال دلهای مردمان را چنان کن که بسوی آنها میل کنند و از هر ثمره ای روزیشان ده باشند که سپاس گذارند.(۲) در این آیه که ترجمه آن گذشت حضرت ابراهیم در دعای خویش بر شکر و سپاسگزاری بر نعمتهای الهی تأکید می ورزد.
قرآن کریم تشکر از خدا را قرین با ذکر پروردگار می داند و می فرماید: «فاذکرونی اذکرکم و اشکرولی ولاتکفرون»(۵) در اینجا یاد کردن و شکر الهی تنها یک ذکر زبانی صرف نیست بلکه منظور از یاد، پاک ساختن روح و جان از رذایل و آماده شدن آن برای پذیرش رحمت پروردگار است و منظور از شکر استفاده کردن هر نعمتی به جای خود و در راه همان است که برای آن آفریده شده.
معنای دیگر شکر که از این آیه: « اعملوا آل داود شکراً»(٦) مستفاد می شود این است که شکر بیشتر عمل انسان را در بر می گیرد گرچه یکی از اقسام شکر عمل به جوارح است. امّا باید تلاش گردد با بهره گیری صحیح از نعمت های داده شده شکر آن را در عمل بجا آوریم که اقل مراتب شکر است. به عبارتی دیگر می توان بیان داشت که شکر آن است که انسان همیشه و در همه حال بدون فراموشی به یاد خدا باشد و بدون انجام گناه به دستورات الهی گردن نهد.

خداونـد در قـرآن آورده اسـت «لئـن شـکرتم لازیدنّکـم ولئـن کفرتـم انّ عذابـی لشـدید» از اثـرات قابـل توجـه شـکر فزونـی نعمـت اسـت و از اثـرات کفـر نعمـت، عـذاب پـروردگار مـی باشـد. بـا دقـت در آیـه فـوق درمـی یابیـم کـه خداونـد در برابـر نعمـت هایـش نیـازی بـه شـکر مـا نـدارد گرچـه دسـتور بـه شـکرگزاری داده و اینـکار موجـب نعمـت دیگـری بـر مـا مـی شـود، مهـم ایـن اسـت کـه ببینیـم حقیقـت شکر چیست و بخشنده نعمت کیست؟

ثمـره شـکر متوجـه خـودِ انسـان اسـت خداونـد مـی فرمایـد: «ان اشـکرلله و مـن یشـکر فانمـا یشـکر لنفسـه و مـن کفـر فـان الله غنـی حمیـد»(١٤) هـر کـس سـپاس گـذارد جـز ایـن نیسـت کـه بـرای خـود سـپاس گـزارد، زیـرا خداونـد بـی نیـاز و حمیـد اسـت. نتیجـه شـکر و یـا کفـر نعمـت بـه سـود و یـا ضرر خود انسان است. زیرا که خداوند از همگان بی نیاز است

در روایـت اسـت کـه حضـرت رضـا(ع) فرمـود: (بپرهیزیـد خـدا را و بـر شـما بـاد تواضـع و شـکر و حمـد خـدا. بـه درسـتی کـه در بنـی اسـرائیل مـردی بـود کـه شـبی در خـواب دیـد کسـی کـه گفـت نصـف عمـرت در وسـعت رزق و روزی هسـتی، انتخـاب کـن نصـف اول عمـر باشـد یـا نصـف آخـر، مـرد گفـت صبـر کـن تـا بـا شـریک زندگیـم ـ همسـرم ـ مشـورت کنـم و بعـد پاسـخ گویـم. صبـح کـه از خـواب بیـدار شـد بـه همسـرش گفـت: دیشـب مـردی بـه مـن خبـر داد کـه نصـف عمـرت در رفـاه خواهـی بـود و مخیـری انتخـاب کنـی کـه نصـف اول باشـد یـا نصـف آخـر و مـن مهلـت خواسـتم تـا بـا تـو مشـورت کنـم. حـال تـو انتخـاب کـن. همسـرش گفـت: نصـف اول را انتخـاب مـی کنیـم. مـرد پذیرفـت و آنـگاه دنیـا بـه او روی آورد و هرچـه نعمـت بـر او بیشـتر مـی رسـید همسـرش مـی گفـت بـه فـلان همسـایه و فـلان فامیـل کـه محتاجنـد کمـک کـن و ایـن روش آنهـا بـود هـر وقـت نعمتـی خداونـد بـه آنهـا مـی داد صدقـه مـی دادنـد، شـکر مـی کردنـد و بخـش مـی نمودنـد تـا اینکـه شـبی در خـواب دیـد کـه بـه او گفتنـد نصـف عمـرت کـه بایـد در رفـاه باشـی تمـام شـد. مـرد گفـت صبـر کـن بـا همسـرم مشـورت کنـم صبـح بـه همسـرش گفـت: دیشـب مـرا خبـر دادنـد کـه نصـف عمـرت کـه بایـد در رفـاه باشـی تمـام شـده اسـت. همسـرش گفـت: خداونـد بـه مـا نعمـت داد و مـا شـکر کردیـم و خـدا وعـده داد، کـه اگـر شـکر نعمـت کنیـد، نعمـت شـما زیـاد مـی شـود و او اولـی بـه وفـاء اسـت پـس شـب بـه مـرد خبـر دادنـد کـه گفتـه همسـرت درسـت اسـت و نصـف دیگـر عمـرت را نیـز در رفـاه خواهـی بـود. زیـرا کـه شکر نعمت کردی.)

منبع: مجله پاسدار اسلام مهر-١٣٨٣ شماره ٢٧٤
شکر گزاری در قرآن - نویسنده : زهرا نساجی

Составы команд 2023: Все контракты подписаны!

RED BULL RACING

Состав Red Bull Racing на 2023 год не вызывает сомнений. Макс Ферстаппен продолжит выступать за команду из Милтон-Кинса до конца 2028 года, его напарник Серхио Перес ещё в мае продлил контракт до конца 2024-го.

FERRARI

Ещё в 2019 году в Ferrari на пять лет продлили контракт с Шарлем Леклером – монегаск продолжит выступать за Скудерию. Контракт Карлоса Сайнса с итальянской командой истекал в конце 2022-го, но в апреле соглашение с испанцем продлили ещё на два года. Состав Ferrari в следующем году не изменится.

MERCEDES

В прошлом сезоне в Mercedes официально продлили контракт с Льюисом Хэмилтоном на два года. Таким образом, семикратный чемпион мира продолжит выступать за команду из Брэкли в 2023-м.

Контракт с Джорджем Расселлом изначально был рассчитан только на 2022-й, но результаты молодого гонщика устраивают руководство Mercedes, и он продолжит выступать за команду.

MCLAREN

В начале года команда продлила контракт с Ландо Норрисом до конца 2025-го, а действующий контракт Даниэля Риккардо на следующий сезон расторгла сразу после летнего перерыва, в начале сентября объявив о многолетнем контракте с Оскаром Пиастри на сезон 2023 года и далее.

ALPINE

У Эстебана Окона контракт с командой до конца 2024 года. Французский гонщик выжимает из машины максимум и показывает стабильные результаты – мы увидим Окона за рулём Alpine и в 2023-м, а его напарником станет Пьер Гасли.

ALFA ROMEO

В 2021-м Валттери Боттас подписал многолетний контракт с Alfa Romeo. Команда не раскрыла срок соглашения, но очевидно, что финн продолжит выступать в следующем сезоне.

Контракт с Гуаньюем Чжоу был рассчитан только на один год, но китайский гонщик неплохо себя проявил – и останется ещё на сезон.

HAAS

Кевин Магнуссен неожиданно вернулся в Формулу 1 перед началом сезона, заменив Никиту Мазепина. С датским гонщиком сразу был подписан многолетний контракт, и Кевин своими выступлениями оправдал доверие команды. В 2023-м его напарником станет Нико Хюлкенберг.

ALPHATAURI

В конце сентября в Alpha Tauri подтвердили продление контракта с Юки Цунодой. С Пьером Гасли договориться не удалось – он не видел дальнейших перспектив и решил уйти, тогда команда подписала контракт с опытным Ником де Вризом.

ASTON MARTIN

У Лэнса Стролла многолетний контракт с командой, принадлежащей его отцу, в следующем году его напарником станет Фернандо Алонсо.

WILLIAMS

Контракт Алекса Элбона с Williams истекал в конце сезона, но в начале летнего перерыва команда подтвердила продолжение сотрудничества с гонщиком в 2023 году. Его напарником станет молодой американец Логан Сарджент.

تیم 2023 : تمامی قرارداد ها امضا شده اند

تیم RED BULL RACING در سال ۲۰۲۳ هیچ گونه تغییری نخواهد داشت. مکس فرستاپن، از شهر میلتون کینز، به همکاری با تیم تا پایان سال ۲۰۲۸ ادامه خواهد داد. هم تیمی او، سرخیو پرز، در ماه می، قرارداد خود را تا پایان سال ۲۰۲٤ تمدید کرد.

FERRARI

در سال ۲۰۱۹ فراری برای ۵ سال، قرارداد با شارل لکلر را تمدید کرده است. راننده اهل موناکو به همکاری با اسکودریا ادامه خواهد داد. قرارداد کارلوس ساینس با تیم ایتالیایی در پایان ۲۰۲۲ خاتمه یافته بود. اما در آپریل قرارداد با راننده اسپانیایی برای ۲ سال تمدید شد. تیم فراری در سال بعد تغییری نخواهد داشت.

MERCEDES

در سال پیش، مرسدس رسما قرارداد خود را با لوییس همیلتون برای ۲ سال تمدید کرد. در این حالت، قهرمان ۷ دوره فرمول یک، از شهر برکلی به همکاری با تیم در سال ۲۰۲۳ ادامه خواهد داد.
قرارداد با راجر راسل از ابتدا فقط تا پایان سال ۲۰۲۲ در نظر گرفته شده بود، اما نتایج راننده جوان، سران مرسدس را متقاعد کرد و اینگونه شد که اوبه همکاری خود با تیم ادامه خواهد داد.

MCLAREN

در ابتدای سال تیم، قرارداد با لاندو نوریس را تا پایان سال ۲۰۲۵ تمدید کرد و قرارداد موجود با دنیل ریکییاردو برای فصل بعد بلافاصله بعد از تعطیلات تابستانی، فسخ شد. در ابتدای سپتامبر مک لارن درباره قراردادی طولانی مدت با اسکار پیاستری برای فصل ۲۰۲۳ و بیشتر اذعان داشت.

ALPINE

قرارداد استبان آکن با تیم تا پایان سال ۲۰۲٤ است. راننده فرانسوی از تمام توان ماشین استفاده میکند و نتایج با ثباتی را نشان می دهد-ما آکن را پشت فرمان ALPINE در ۲۰۲۳ خواهیم دید، و هم تیمی او پیر گاسلی خواهد بود.

ALPHA ROMEO

در ۲۰۲۱ والتری بوتاس قراردادی چندین ساله را با ALPHA ROMEO امضا کرد.
تیم، بند توافق را منتشر نکرده است، اما واضح است که راننده فنلاندی همکاری خود را با تیم در فصل بعد ادامه خواهد داد.
قرارداد با گوانیو چژوی فقط برای یک سال در نظر گرفته شده بود، اما راننده چینی خود را بد نشان نداده و در تیم برای یک فصل دیگر نیز باقی خواهد ماند.

HAAS

کوین مگنوسن ناگهان در ابتدای فصل به جای نیکیتا مازپین به فرمول یک بازگشت. با راننده دانمارکی بلافصله قراردادی چندین ساله امضا شد و کوین با تلاش های خود، اطمینان و انتظارات تیم را برآورده کرد. در ۲۰۲۳ هم تیمی او نیکو خولکنبرگ خواهد بود.

ALPHATAURI

در انتهای سپتامبر ALPHTAURI تمدید قرارداد با یوکا سوندا را تایید کرد. مذاکرات با پیر گاسلی به نتیجه نرسید–او دلیلی برای همکاری با تیم ندید و زمانی که تیم با راننده با تجربه نیک د وریز قرارداد امضا کرد، تصمیم به ترک تیم گرفت.

ASTON MARTIN

لنس استرول قراردادی طولانی مدت با تیم دارد، به پیشنهاد پدرش در سال بعد هم تیمی او فرناندو آلونسو خواهد شد.

WILLIAMS

قرارداد الکس البون با WILLIAMS در پایان فصل خاتمه یافت، اما در ابتدای تعطیلات تابستانی، تیم ادامه همکاری با راننده را در سال ۲۰۲۳ تایید کرد. هم تیمی او آمریکایی جوان، لوگان سارجنت خواهد شد.

https://www.f1news.ru/memuar/161939.shtml

белый медведь

خرس قطبی

Некоторые животные на столько уникальны по своей природе, что на нашей планете нет образованных людей, которые бы не знали их. Одним из таких животных является белый медведь. Он очень отличается от своих ближайших родственников внешним обликом и местом обитания. Это далеко не самый многочисленный вид медведей и этим он вызывает еще больший интерес.

برخی از حیوانات در طبیعت آنقدر منحصر به فرد هستند که هیچ انسان تحصیل کرده ای در سیاره ما وجود ندارد که آنها را نشناسد. یکی از این حیوانات خرس قطبی است. از نظر ظاهر و زیستگاه با

По недавним исследованиям учеными были сделаны выводы, что белый медведь, как вид, появился совсем недавно путем быстрой эволюции. Возраст вида оценивается всего в 150 тысяч лет. Хотя нельзя полностью полагаться на эту информацию, ведь сбор генетического материала данного животного имеет свои трудности. Очень редко удается обнаружить останки в льдах, возможно многое об этих животных все еще хранится там.

براساس مطالعات اخیر، دانشمندان به این نتیجه رسیده اند که خرس قطبی، به عنوان یک گونه، اخیراً از طریق تکامل سریع ظاهر شده است. سن این گونه تنها ۱۵۰ هزار سال تخمین زده می شود. اگرچه نمی توان به طور کامل به این اطلاعات اعتماد کرد، زیرا جمع آوری داده های ژنتیکی یک حیوان معین دشواری های خاص خود را دارد. یافتن بقایایی در یخ بسیار نادر است، شاید چیزهای زیادی در مورد این حیوانات هنوز در آنجا ذخیره شده باشد

Итак, белый медведь относится к классу млекопитающих, отряду хищников, подотряду псообразных, семейству медвежьих, роду медведей. Также его называют полярным медведем, реже северным или морским. Считается, что белые медведи произошли от бурых в ходе эволюции и приспособления к северным заполярным широтам.

بنابراین، خرس قطبی متعلق به طبقه پستانداران، راسته شکارچیان، زیررده سگسانان، خانواده خرس‌ها، سرده خرس‌ها است. به آن خرس قطبی، کمتر شمالی یا دریایی نیز می گویند. اعتقاد بر این است که خرس های قطبی از خرس های قهوه ای در مسیر تکامل و سازگاری با عرض های جغرافیایی قطب شمالی تکامل یافته اند.

Белые медведи крупные, тяжелые животные. Голова по сравнению с телом маленькая, вытянутая, немного уплощенная. Глаза круглые, посажены ближе к носу. Над глазами хорошо виден рельеф черепа, здесь у медведя самая тонкая жировая прослойка. Уши короткие, закругленные, небольшие. Нос вытянутый, похож на собачий. Шея белого медведя отличается от других видов длиной, она вытянута вперед и у самой головы довольно тонкая. Ниже шея расширяется, переходит в туловище. Оно у медведя очень большое, дополнительный объем создает густая, длинная, жесткая шерсть и подшерсток.

خرس های قطبی حیوانات بزرگ و سنگینی هستند. سر این حیوان در مقایسه با بدنش کوچکتر و کشیده و کمی صاف است. چشم هایی گرد و نزدیک بینی دارد. برجستگی جمجمه به وضوح در بالای چشم ها قبل مشاهده است. در این قسمت، خرس نازک ترین لایه چربی را دارد. گوش هایی کوتاه، گرد و کوچک و در عین حال بینی دراز شبیه سگ دارد.

گردن خرس قطبی از نظر طول با دیگر گونه ها متفاوت است. گردن به جلو کشیده شده و در نزدیکی سر نسبتا نازک است. زیر گردن منبسط و به بدن وصل میشود. حجم اضافی توسط موها و پشم های زیرین که بلند و درشت هستند ایجاد میشود.

Еще давно, обнаружив этих удивительных животных, охотники истребляли медведей на мясо и шкуры. Зверь был уникален, шкура не сравнима ни с чьей. Но с развитием науки и распространении среди людей интереса к природе, стремления сохранить видовое разнообразие животных стали оберегать законом.

مدت ها پیش، با کشف این حیوانات شگفت انگیز، شکارچیان خرس ها را برای گوشت و پوست نابود کردند. جانوری منحصر به فرد بود، پوست با هیچ گونه دیگری قابل مقایسه نیست. اما با توسعه علم و گسترش علاقه به طبیعت در بین مردم، تمایل به حفظ تنوع گونه ای حیوانات توسط قانون حمایت شد.

Всемирный день Нутеллы

Ежегодно, с 2007 года, 5 февраля отмечается Всемирный день Нутеллы (World Nutella Day), и сегодня этот праздник получил международное признание.
Бренд «Nutella», известный во всём мире и сверхпопулярный в первую очередь среди детей, обеспечил себе почётное место в списке всемирных праздников практически сразу. Американка Сара Россо – блогер, проживающая в Италии, предложила провести 5 февраля 2007 года Всемирный день Нутеллы. Инициатива была подхвачена миллионами почитателей этого вкусного продукта.
Нутелла – шоколадно-ореховая паста родом из Италии. История её появления интересна, и начинается она в послевоенные годы в итальянском городе Альба. В 1946 году кондитер и владелец пекарни Пьетро Ферреро начал производить шоколадные батончики мягкой консистенции под названием «Джандуйя», по имени одного из местных карнавальных персонажей. Дело в том, что ввоз какао в Италию в первые послевоенные годы был ограничен. Это подтолкнуло Пьетро Ферреро использовать в добавление к какао-маслу новый ингредиент, которым стали обжаренные и перемолотые лесные орехи, в изобилии произраставшие в том регионе. Мягкие шоколадно-ореховые батончики пришлись по вкусу местным детям и стали пользоваться большим спросом.
Популярность «Джандуйи» обратилась для Ферреро большим заказом от мэрии, который и был выполнен в срок. Но приготовленный в который было вложено большое количество семейных средств, растаял от жары. Поэтому Пьетро Ферреро решил проблему следующим образом: он стал намазывать растаявшие шоколадно-ореховые батончики на тонкие ломтики хлеба, который резала в этот момент его жена.На празднике Ферреро угощал гостей бутербродами с шоколадно-ореховым кремом.попытка кондитера спасти положение обернулась очередной победой.
После этого случая Ферреро начал производить и продавать уже крем под названием «Джандуйя», моментально завоевавший признание в Пьемонте, а затем и во всей Италии.
Эти события привели к тому, что 1946 год стал фактическим началом для компании «Ферреро»(Ferrero).Спустя ещё 13 лет, в 1964 году Микеле Ферреро - сын Пьетро, снова внеся определённые изменения в состав пасты, вывел на рынок новый продукт, получивший название Нутелла (Nutella).
Популярность Нутеллы такова, что позволила компании Ферреро выпустить рекламный слоган следующего содержания:

«Чем был бы мир без Нутеллы?». Сегодня продажи шоколадно-ореховой пасты Нутелла приносят компании Ферреро до трети дохода.
В 2007 году первое празднование Дня Нутеллы прошло на родине продукта в Италии.
С тех пор ежегодно по всему миру устраиваются шествия и концерты, флешмобы, торжества и дегустация всевозможных блюд с использованием Нутеллы: тортов, пирожных, булочек, коктейлей и т.д.Число участников празднования Всемирного дня Нутеллы только растёт.
Праздник проводится во многих городах мира, среди которых оказался даже виртуальный город Нутеллавилль, в котором можно читать стихи, рецепты и многое другое, посвящённое Нутелле.

روز جهانی نوتلا

هر ساله، از سال ۲۰۰۷، پنجم فوریه روز جهانی نوتلا جشن گرفته می شود.
در آن سال برند نوتلا که در سطح جهان شناخته شده است و در بین کودکان بسیار محبوب است، تقریبا بلافاصله جایگاه افتخاری تعطیلات جهانی را به دست آورد.
سارا راسو بلاگر آمریکایی ساکن ایتالیا پیشنهاد داد که ۵ فوریه، به روز جهانی نوتلا اختصاص داده شود. این ایده با استقبال میلیون ها نفر از طرفداران این محصول خوشمزه مواجه شد.
نوتلا کرمی شکلاتی_آجیلی، محصول کشور ایتالیاست. داستان ظهور این محصول خیلی جالب است وازسالهای پس جنگ (جنگ جهانی دوم) در شهر آلبای ایتالیا آغاز می شود. در سال ۱۹٤٦، پیترو فررو که شیرینی‌پز و صاحب نانوایی بود، شروع به تولید شکلات‌های با قوام نرم به نام «جاندویا» کرد که به نام یکی از شخصیت‌های کارناوال محلی بود.
واقعیت این است که واردات کاکائو به ایتالیا در سال های اول پس از جنگ محدود بود. این موضوع فررو را بر آن داشت که علاوه بر کره کاکائو، از ماده جدیدی استفاده کند که فندق برشته و آسیاب شده بود و در آن منطقه به وفور رشد می کرد. شکلات تخته ای های نرم، ذائقه بچه های شهر بود و تقاضای زیادی پیدا کرد.
محبوبیت جاندویا با سفارش بزرگ شهرداری به فررو که به موقع تکمیل شد، ایجاد شد. اما سفارش تهیه شده که مقدار زیادی از وجوه خانوادگی در آن سرمایه گذاری شده بود، از گرما ذوب شد. او شروع به پخش کردن تکه های شکلات روی نان هایی کرد که همسرش در آن لحظه آن ها را برش می داد.در جشن، فررو با ساندویچ هایی با خامه شکلاتی از مهمانان پذیرایی می کرد. تلاش شیرینی پز برای نجات اوضاع به یک پیروزی تبدیل شد.
پس از ان اتفاق، فررو شروع به تهیه و فروش خامه با نام «جاندویا» کرد، که فورا درپیمونته[1]و سپس در سراسر ایتالیا مقبولیت پیدا کرد. این وقایع منجر به این واقعیت شد که سال ۱۹٤٦ شروعی واقعی برای شرکت "فررو" باشد.
۱۳ سال بعد، در سال ۱۹٦٤، میشل فررو - پسر پیترو، با ایجاد تغییرات خاصی در ترکیب (کرم)، محصول جدیدی به نام "نوتلا" را به بازار آورد. محبوبیت نوتلا به حدی بود که به شرکت فررو اجازه داد شعار تبلیغاتی زیر را منتشر می کند: "دنیا بدون نوتلا چه میشد؟"
امروزه، فروش کرم شکلاتی_آجیلی نوتلا برای شرکت فررو تا یک سوم درآمد داشته است.
در سال ۲۰۰۷، اولین جشن روز جهانی نوتلا در شهر مبدا این محصول، ایتالیا برگزار شد. از آن زمان، هر ساله در سراسر جهان اجتماعات، کنسرت ها، فلش ماب ها[2]،جشن ها و چشیدن انواع غذاها مثل کیک، شیرینی، نان، کوکتل و غیره با استفاده از نوتلا در سراسر جهان برگزار می شود. تعداد شرکت کنندگان در جشن روز جهانی نوتلا در حال افزایش است.
این تعطیلات در بسیاری از شهرهای جهان برگزار می شود، که در میان آنها حتی یک شهر مجازی به اسم نوتلاویل وجود دارد که در آن می توانید اشعار، دستور العمل ها و موارد دیگر را که به نوتلا اختصاص دارد را بخوانید.

۱. این ناحیه مساحت ۲۵/۳۹۹ کیلومتر و جمعیتی حدود ٤/٤ میلیون نفر دارد. مرکزیت آن تورین و زبان اغلب مردم آن، گویش پیمونتی ست.
۲. فلش ماب به گروه شهروندانی گفته می‌شود که از طریق رسانه‌های دنیای مجازی(اینترنت، ایمیل و غیره یا تلفن همراه یا نامه زنجیره‌ای (همدیگر را خبردار کرده و در زمان معینی در مکان‌های عمومی تجمع میکنند.
https://amp.calend.ru/holidays/o/o/3427/

Mar
دانشگاه الزهرا
نشریه گام از تمامی علاقمندان در حوزه زبان روسی دعوت به همکاری می نماید
@stepmagazine